हरिभूमि
रायपुर भूमि

पहले दिन नहीं तपा नवतपा, अब बढ़ेगी गर्मी, दो वार्म नाइट के बन रहे आसार

» मंगल-बुध को गर्मी पीक पर, मध्य इलाकों में लू चलने के आसार

» बादलों के बीच भारी उमस के साथ बीता नवतपा का पहला दिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बादलों की वजह से नवतपा का पहला दिन कम गर्म, मगर भारी उमस के बीच बीत गया है। कल से दिन के साथ रात में भी तापमान के साथ गर्मी बढ़ने के आसार हैं। अगले दो दिन वार्म नाइट की स्थिति रहने और मंगल-बुध को गर्मी पीक पर रहने की संभावना है। इस दौरान मध्य और दक्षिणी इलाकों में लू चलने की संभावना है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार रविवार से राज्य में राजस्थान की शुष्क हवा प्रदेश में प्रवेश करेगी, इससे तापमान में तेजी से वृद्धि होने के आसार बन रहे हैं। नवतपा के शेष दिन इस बार तेज गर्मी के साथ बीतने की संभावना ⏭शेष पेज 13 पर

कई क्षेत्रों में बरसे बादल

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले चौबीस घंटे में बारिश ने प्रदेश में अपनी उपस्थिति बनाए रखी है। तोकपाल में चार, दरभा, जदलपुर, लोहांडीगुड़ा में तीन, दुलदुला, नगरी, तपकरा, मनोरा में दो सेमी. तथा कबीरधाम, सूरजपुर बकावंड में एक सेमी. तक बारिश दर्ज की गई है। अभी भी कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने का अनुमान है।

बंगाल की खाड़ी में मानसून

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, दक्षिण पूर्व के शेष हिस्से, मध्य और उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक पहुंच चुका है। इसके अगले पांच दिन में केरल पहुंचने और बीस दिन के भीतर छत्तीसगढ़ में दस्तक देने का अनुमान है।

खबर संक्षेप

अमानत में खयानत लाखों लेकर भागा कर्मी

रायपुर। मौदहापारा थाने में एक इलेक्ट्रिक कारोबारी ने अपने कर्मचारी के खिलाफ अमानत में खयानत करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक मनोज ग्वालानी ने अपने कर्मचारी अमित कुमार सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मनोज ने पुलिस को बताया कि अमित उनके यहां लगभग दो साल से काम कर रहा है। शुक्रवार को दिल्ली के एक कारोबारी के 15 तथा मनोज के एक लाख रुपए बैंक जमा करने दिया गया था। नीयत खराब होने पर अमित अपना मोबाइल बंद कर बैंक में जमा करने दिए रुपए को लेकर गायब हो गया।

चेन स्नेचिंग का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में बुजुर्गों से चेन स्नेचिंग करने के आरोप में पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तीन लाख रुपए से ज्यादा कीमत की तीन सोने की चेन जब्त की है। पुलिस के मुताबिक चेन स्नेचिंग के आरोप में बैरनबाजार निवासी कुमार पंडित को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने दो महीने के अंदर महावीर नगर में रहने वाली तीन बुजुर्ग महिलाओं से पता पूछने के बहाने चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम दिया था।

दो तस्कर गिरफ्तार पांच किलो गांजा जब्त

रायपुर। राजधानी पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच किलो गांजा जब्त की है। पुलिस के मुताबिक टिकरापारा थाना क्षेत्र की पुलिस ने इंटरस्टेट बस टर्मिनल के पास बस्तर, सुकमा निवासी पोज्जा कश्यप की बैग की तलाशी ली, जिसमें गांजा मिला। साथ ही मंदिर हसौद पुलिस ने महासमुंद, पटेवा निवासी काशीराम कुर्रे को मंदिर हसौद चौक के पास दोपहिया में गांजा लाते गिरफ्तार किया।

नो पार्किंग में ऑटो पार्क ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

रायपुर। शहर के व्यस्त मार्गों पर सड़क जाम कर अनाधिकृत तौर पर पार्किंग स्थल बनाकर वाहन पार्क करने के मामले में ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को शास्त्री चौक, जयस्तंभ चौक, फाफाडीह चौक, स्टेशन चौक, भनपुरी, टाटीबंध, भांठागांव, पचपेड़ी नाका, तेलीबांधा, पंडरी सहित अन्य व्यस्त मार्ग में ऑटो पार्क करने वाले 248 ऑटो चालकों के खिलाफ कार्रवाई कर वाहन जब्त किए हैं।

विवाद पर चाकू से हमला

रायपुर। सिविल लाइंस थाने में एक व्यक्ति ने तीन लड़कों के खिलाफ मारपीट करने के साथ चाकू से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक संजू नायक ने कांता साहू, पंकज दीप तथा गोलू के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। संजू ने पुलिस को बताया कि तीनों लड़कों ने उसके बेटे करण नायक के साथ कैमरे के बकाया लेनदेन के विवाद पर मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया।

रेलवे ने कहा- लॉक नहीं लगाने देंगे

स्टेशन में फिर बिगड़ेगा सिस्टम, सोमवार से नो पार्किंग में ठेकेदार वसूलेगा फाइन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पार्किंग ठेकेदार गाड़ी में नहीं लगाएगा लॉक, नो पार्किंग में गाड़ी खड़ी होते ही वसूलेगा पैसा

रेलवे स्टेशन में पार्किंग ठेकेदार सोमवार को फिर से नो पार्किंग में खड़ी होने वाली गाड़ियों पर लोगों से निर्धारित शुल्क वसूलेगा, जिसे लेकर ठेकेदार ने मंडल के अधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी है। बीते दिनों नो पार्किंग को लेकर विवाद के बाद कलेक्टर, एसपी और रेलवे अधिकारियों की बीच हाई लेवल मीटिंग हुई थी, जिसके बाद स्टेशन में नो पार्किंग में कार्रवाई पूरी तरह से बंद हो गई थी और ठेकेदार से गाड़ी लॉक करने का अधिकार भी छीन लिया गया था। बैठक के बाद रेलवे ने कहा कि नो पार्किंग में गाड़ियों पर कार्रवाई करने नया सिस्टम तैयार किया जा रहा है, लेकिन अभी तक कोई योजना नहीं बन पाई है। इधर ठेकेदार का कहना है कि टेंडर के दौरान रेलवे ने लिखित रूप से दिया है कि नो पार्किंग में ठेकेदार द्वारा निर्धारित फाइन लिया जाएगा। सोमवार से गाड़ियों को लॉक नहीं लगाया जाएगा, लेकिन जो गाड़ियां नो पार्किंग में खड़ी होंगी, उन्हें निर्धारित शुल्क देना होगा।

हरिभूमि फॉलोअप

खास बातें

- नो पार्किंग में कार्रवाई को लेकर रेलवे नहीं बना पाया सिस्टम
- टेंडर के अनुसार प्रीपैड ऑटो को भी देना होगा पार्किंग शुल्क

16 मई को प्रमुखता से प्रकाशित की थी खबर

रेलवे नहीं बना पाया सिस्टम

नो पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने वालों पर कार्रवाई को लेकर रेलवे, जिला प्रशासन की मदद से अभी तक कोई सिस्टम नहीं बना पाया है। आरपीएफ के पास जवान की कमी है। बूथ बनकर तैयार है, लेकिन यहां कौन बैठेगा, अभी तक तय नहीं हुआ है। ठेकेदार द्वारा नो पार्किंग में शुल्क वसूलने से एक बार फिर स्टेशन में यात्रियों और ठेकेदार के बीच विवाद बढ़ जाएगा। रेलवे इस पर रोक नहीं लगा सकतस है, क्योंकि रेलवे ने टेंडर में ही ठेकेदार को यह अधिकार दे दिया है।

गाड़ियों में नहीं लगेगा लॉक

पूरे मामले में रेलवे प्रशासन का कहना है कि टेंडर में ठेकेदार को गाड़ियों में लॉक लगाने का नियम शामिल नहीं है, लेकिन नो पार्किंग में शुल्क वसूलने का लिखित में है। डीसीएम राकेश सिंह ने हरिभूमि से बातचीत में कहा कि टेंडर के मुताबिक ठेकेदार नो पार्किंग में गाड़ी होने पर लोगों से तय शुल्क ले सकता है। गाड़ियों में लॉक नहीं लगाएगा। टेंडर की शर्तों के मुताबिक ठेकेदार को शुल्क लेने का अधिकार रेलवे ने दिया है। ठेकेदार के मुताबिक नो पार्किंग के साथ-साथ अब प्रीपैड ऑटो चालकों को भी पार्किंग का किराया देना होगा। रेलवे के नियमों का पालन करते हुए कार्य किया जाएगा। टेंडर के अनुसार नो पार्किंग का कुछ पैसा ठेकेदार को दिया जाएगा, बाकी रेलवे को मिलेगा।

महंगी हुई हवाई यात्रा

विस्तारा की उड़ान में कटौती बीस हजार तक पहुंच रहा दिल्ली का किराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- 31 मई तक किराए में राहत नहीं मिलने का अनुमान

विस्तारा एयरलाइंस कंपनी द्वारा एक उड़ान में कटौती किए जाने की वजह से रायपुर-दिल्ली का किराया बीस हजार रुपए तक पहुंच रहा है। अपनी तकनीकी दिक्कतों की वजह से एयरलाइंस कंपनी 31 मई तक इस सेक्टर में कभी सुबह तो कभी शाम के शेड्यूल में अपनी फ्लाइट का संचालन कर रही है।

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से दिल्ली के बीच विस्तारा अपनी मात्र दो फ्लाइट संचालित करती है, जो सुबह और शाम के शेड्यूल में उड़ान भरती है। ⏭शेष पेज 13 पर

बारिश के मौसम में होगा फेरबदल

ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों के अनुसार बारिश के मौसम में एयरलाइंस कंपनी यात्रियों की संख्या में आने वाली कमी को देखते हुए फ्लाइट के संचालन के लिए सेक्टरों का बदलाव करती है। इस बात की संभावना भी है कि बारिश के मौसम में कुछ नए शहरों की एयर कनेक्टिविटी हो सकती है। रायपुर से नए सेक्टरों में फ्लाइट संचालन का प्रस्ताव बहुत समय से लंबित है।

दो शहरों से प्रयागराज की फ्लाइट

बिलासपुर से जून के शुरुआत में प्रयागराज की फ्लाइट शुरू किए जाने की तैयारी है और इसके लिए सारी तैयारियां संबंधित एयरलाइंस कंपनी द्वारा कर ली गई हैं। इसके साथ ही रायपुर से अगस्त के महीने में प्रयागराज के लिए फ्लाइट शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए अधिकृत घोषणा का इंतजार किया जा रहा है।

शहर खर्च कर रहा है रोज 30 लाख लीटर पानी

5 साल पहले 270 एमएलडी की रही मांग, अब चाहिए 300

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर शहर में पानी की मांग 5 साल में 30 लाख लीटर प्रतिदिन के हिसाब से बढ़ गई है। पहले गर्मी के पीक सीजन में जहां शहरवासियों को 270 एमएलडी पानी की आपूर्ति अधिकतम हुआ करती थी, अब वह मात्रा बढ़कर 300 एमएलडी तक जा पहुंची है। यानी हर दिन 30 लाख लीटर अतिरिक्त पानी चाहिए। वहीं जिन पानी टंकियों को आगामी 15 से 20 साल के लिए आबादी के पानी की जरूरत हिसाब से डिजाइन करते हुए 6 से 7 मीटर की जलभराव क्षमता वाला बनाया गया, उन पानी टंकियों में 15 साल पहले 6 मीटर तक भरने की नौबत आ गई है।

रायपुर नगर निगम का जल विभाग भाठागांव के फिल्टर प्लांट से शहर की 43 नई, पुरानी पानी टंकियों के जरिये नगर निगम के 10 जोन के 70 वार्ड की पानी की आपूर्ति कर रहा है। अप्रैल तक जहां रोजाना पानी की औसत खपत 250 से 270 एमएलडी होती थी, गर्मी तेज होने से पानी की मांग में 30 एमएलडी का इजाफा हुआ है। यानी प्रतिदिन 30 लाख लीटर अतिरिक्त पानी आपूर्ति ⏭शेष पेज 13 पर

2035 के पीक पीरियड हिसाब से डिजाइन हैं नई पानी टंकियां

सूत्रों के मुताबिक रायपुर शहर के 2035 के पीक पीरियड और नगर निगम में शामिल 7 गांवों के हिसाब से नई पानी टंकियों का निर्माण कराया गया है। मोतीबाग की नई पानी टंकी, गुढ़ियारी के रामनगर की पानी टंकी, श्यामनगर, रायपुरा की नई पानी टंकी, कुकुरबेड़ा में नवनिर्मित पानी टंकी और मनपुरी की नई पानी टंकी इसमें शामिल है। इन पानी टंकियों को 2035 में 6 से 7 मीटर तक भरने की योजना है। नियम के हिसाब से किसी एक पानी टंकी के 2 किलोमीटर दायरे तक ही पाइप लाइन बिछाकर पानी आपूर्ति की जानी चाहिए, पर इसके उलट शहर में 4 किलोमीटर दूरी वाले क्षेत्र तक पाइप लाइन बिछाकर संबंधित टंकी से पानी सप्लाई की जा रही है। इससे जल आपूर्ति का सिस्टम गड़बड़ाया है।

कैचमेंट एरिया से बाहर के क्षेत्र में पानी आपूर्ति से गड़बड़ रहा सिस्टम

जल विभाग के जानकारों के मुताबिक शहर में 2035 की बसाहट का आकलन कर 45 पानी टंकियों की प्लान डिजाइन कर निर्माण किया गया है। इसमें टंकियों का केचमेंट एरिया, पानी की मांग और आपूर्ति का सिस्टम तय है, पर वर्तमान में जल आपूर्ति व्यवस्था गड़बड़ाने की प्रमुख वजह ये है कि इसमें हाउसिंग बोर्ड की आधा दर्जन से ज्यादा कालोनियां, रायपुर विकास ⏭शेष पेज 13 पर

शुक्रवार देर रात से बीच रोड में हाईवा फंसा हुआ है

दूरदर्शन के पास बजरी से हाईवा फंसने से लगा जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ट्रक फंसने की थाना में सूचना नहीं

खम्हारडीह थाना क्षेत्र के दूरदर्शन केंद्र के सामने बजरी से लोड ट्रक फंसने से शनिवार दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। शंकर नगर से विधानसभा आवाजाही करने वाले लोगों के लिए रूट डायवर्ट करना पड़ा। ट्रैफिक कंट्रोल करने मौके पर ट्रैफिक पुलिस के जवान तैनात किए गए। बजरी से लोड हाईवा शुक्रवार देर रात से फंसा हुआ है, जो शनिवार तक पूरे दिन फंसा रहा। ट्रैफिक डीएसपी गुरजीत सिंह के मुताबिक दूरदर्शन केंद्र के सामने फंसे हाईवा को निकालने ⏭शेष पेज 13 पर

घटना मंदिर हसौद थाना क्षेत्र की

पेपर मिल में आग, देर शाम तक जारी रहा कूलिंग का काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में संचालित पेपर मिल में शनिवार को आग लगने से हड़कंप मच गया। आग पेपर मिल के बाहर पड़े कचरे के ढेर में लगी। इसके बाद आग ने मिल परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। समय पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई तब एक से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। कूलिंग का काम देर शाम तक जारी रहा।

पुलिस के मुताबिक राजेश मेघानी के पेपर मिल में आगजनी की घटना हुई है। फायर ब्रिगेड को पौने बजे पेपर मिल में आग लगने की जानकारी मिली। इसके बाद आग पर काबू पाने मौके पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां रवाना की गईं। आग बढ़ने की आशंका पर मौके पर और फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां रवाना की गईं, तब कहीं जाकर आग पर काबू पाया जा सका।

चिंगारी से आग लगने की आशंका

फैक्ट्री के मालिक के अनुसार उसके मिल के पास से हाईटेंशन वायर गुजरा है। आशंका जताई जा रही है कि हाईटेंशन वायर से निकली चिंगारी वेस्ट एरिया में पड़े पेपर में गिरी होगी। इसके बाद आग तेजी से बढ़ते हुए पेपर के ढेर तक पहुंच गई होगी। मिल में पेपर का गत्ता बनाने का काम किया जाता है। पेपर के गत्ता होने की वजह से आग तेजी से फैल गई। आग से कितना का नुकसान हुआ है, इसकी अब तक जानकारी नहीं मिल पाई है।

लोकसभा चुनाव के बाद मंत्रालय और इंद्रावती में बायोमेट्रिक अटेंडेंस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मंत्रालय एवं विभागाध्यक्ष भवनों में अधिकारियों, कर्मचारियों की हाजिरी के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने मीटिंग लेकर इसकी समीक्षा कर अफसरों को निर्देशित किया है। लोकसभा चुनाव के बाद इस पर काम शुरू हो जाएगा। मुख्य सचिव की समीक्षा के बाद सुशासन विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। बताया जाता है कि दो बार की बैठक के ⏭शेष पेज 13 पर

- सीएस की दो दौर की बैठक के बाद तैयारी शुरू, विरोध की चर्चाएं

दो दौर की बैठक पूरी

मंत्रालय और इंद्रावती भवन समेत नवा रायपुर के आफिसों में बायोमेट्रिक लगने के बाद अधिकारियों, कर्मचारियों को समय पर आना होगा। सुबह 10 बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक। बायोमेट्रिक हाजिरी को लेकर दो दौर की बैठक हो गई है। लोकसभा चुनाव के बाद सरकार की बायोमेट्रिक सिस्टम लगाने की पूरी तैयारी है।

स्कूलों में नहीं हुए सफल

इससे पहले कई बार निचले स्तर पर बायोमेट्रिक लगाने की शुरुआत हुई, मगर वह सफल नहीं हो पाई। शिक्षाकर्मियों के संविलियन के बाद बायोमेट्रिक की शर्त रखी गई थी। तब स्कूलों में बायोमेट्रिक सिस्टम लगाया गया था, मगर कई दिक्कतों को देखते हुए बायोमेट्रिक सिस्टम अपने आप खत्म हो गया।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

हैण्डलूम हैण्डीक्राफ्ट एक्सपो

शुरू हो गया आपके शहर में

DISNEY LAND MELA

मनोरंजन भी.. खरीदारी भी..

समय : दोपहर 3 से रात्रि 10 बजे तक*

* केवल रविवार को

रायपुर में पहली बार

इंटरनेशनल एसी फिश टनल

आज ही सपरिवार पधारें

मेला स्थल- **रावणभाटा मैदान**

नये बस स्टैंड के पास, रायपुर

sumitadvertisers

खबर संक्षेप

कांग्रेस इंटक के दुर्गा प्रसाद अध्यक्ष बने

सिलयारी। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष पप्पू अली निर्देश राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल बांधे ने राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक पद पर दुर्गा प्रसाद बंजारे ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दुर्गा प्रसाद ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्ति होने पर कहा राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस छत्तीसगढ़ द्वारा जो मुझे जिम्मेदारी दी गई है, उसे पूरी निष्ठा के साथ कार्य करूंगा एवं श्रमिकों के हित में हमेशा कार्य के लिए आगे रहूंगा। कई सामाजिक संगठनों में पदाधिकारी के रूप में कार्य कर चुकी है और अभी वर्तमान में सूचना अधिकार एसोसिएशन के इकाई के जिला अध्यक्ष भी है।

कृषि औजार सहित 40 बोरी सीमेंट की चोरी

आरंग। ग्राम गोढ़ी के खेत में 24 व 25 मई के दरम्यानी रात खेती के औजारों सहित 40 बोरी सीमेंट की चोरी हो गयी। गोढ़ी निवासी दिलीप बैस ने इसकी लिखित शिकायत मंदिर हसौद थाना में की है। की गयी शिकायत के अनुसार रिम्स हास्पिटल के सामने जंगल के पीछे उसके खेत में 2 टुल्लू पंप, 1 उडावनी पंखा, एक पावर टीलर नागर, दो टंगिया, एक कुदाली, एक सब्बल, एक पाना, एक बंडल कटीला तार, 16 किलो कटा हुआ छड़, 150 मीटर वायर व 40 बोरी सीमेंट रखा हुआ था जिसे बीते शुक्रवार व शनिवार के दरम्यानी रात कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है।

समर कैंप : समय प्रबंधन और मेहनत से मिलती है सफलता

रायखेड़ा स्कूल के समर कैंप में योग, ध्यान डांस, खेल एवं चित्रकला पर प्रशिक्षण जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

शासन के निर्देशानुसार स्वामी आत्मानंद हिंदी /अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय रायखेड़ा में प्राथमिक विद्यालय, मिडिल एवं हायर सेकंडरी स्कूल द्वारा संयुक्त रूप से समर कैंप का आयोजन 21 मई से 1 जून तक आयोजित गया है। जिसमेअलग-अलग दिवस पर विभिन्न कौशलों पर बच्चों को मोटिवेशन कराया जायेगा ।जिसमें चित्रकला, योगा एवम्‌ मेडिटेशन, कैरम एवम्‌ खेल, डांस एवम्‌ गायन, मोटिवेशन स्पीच, मिट्टी एवम्‌ क्राफ्ट, साइंस मॉडल, मेंहदी, रंगोली,निबंध, पेंटिंग, कढ़ाई,बुनाई तथा स्पोकन इंग्लिश आदि आयोजित किया गया है।

समर कैंप के पांचवें दिवस 25 मई शनिवार को जितेंद्र वर्मा व्याख्याता द्वारा मोटिवेशनल स्पीच दिया गया ।जिसमें बच्चों को अपने भविष्य में आने वाले समस्याओं से लड़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही साथ समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देते हुए आगे बढ़ने का मंत्र दिया गया । विभिन्न उदाहरणों द्वारा

विद्यार्थियों को भविष्य में निराश न होकर कठिन परिश्रम करके अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने को प्रेरित किया । जीवन में वही व्यक्ति सफल होता है जो कठिन परिश्रम करता है। समर कैंप में उपस्थित बच्चों एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को प्रेरित किया गया।प्रभारी प्राचार्य श्री जी के वर्मा ने कहा कि ग्रीष्म अवकाश में विद्यार्थी समय को नष्ट कर देते हैं।शासन ने इन समयों को सदुपयोग करने के लिए समर कैंप लगाकर बच्चों में छुपी प्रतिभा को निखारने का यह उचित अवसर प्रदान किया है ।जो की बहुत ही स्वागत योग्य है ।शिक्षा विभाग द्वारा हर गतिविधियों को संचालित कर बच्चों को लाभान्वित करने के लिए सतत प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में नितिन अग्रवाल ,मनोज गिलहरे ,यशवंत कुमार वर्मा ,संकुल समन्वयक तुलसीराम साहू चंद्रकला वर्मा, टीपी नायक, महेंद्र कुमार वर्मा ममता शर्मा, सुषमा चंद्रवंशी ,मयंक वर्मा, प्रतिभा चंद्रवंशी, रविना देवांगन,बाबू लाल बंजारे, अंजलि मिरानी,श्रद्धा हेड़ाऊ,की सहभागिता रही।

समर कैंप में कलात्मक चीज बनाना सीख रहे हैं बच्चे

आरंग। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यालयों में चल रहे समर कैंप की क्रियात्मक गतिविधियों से विद्यार्थी आनंद एवं उत्साह के साथ नई-नई कलात्मक चीज बनाना सीख रहे हैं। वही भंडारपुरी में छात्राएं आत्मरक्षा के लिए कराटे सीख रहे हैं तथा ग्राम बोरिद के बच्चे पेपर क्राफ्ट के अंतर्गत पेपर पपेट से विभिन्न पशु पक्षियों की आकृति बनाना एवं पुराने कैलेंडर, जन्मोत्सव कार्ड, शादी कार्ड आदि से गिफ्ट बॉक्स बनाना, मनोरंजन के साथ–साथ तल्लीनता से सीख रहे हैं। साथ ही आरंग, डूमहा, सिवनी, परसकोल, घोट, कयाबांधा, पीएमश्री भानसोज व आरंग, गुमा, पिरदा, कोसमखुटा, मुनगेसर व सभी संकुलो से प्राप्त जानकारी के अनुसार बच्चे पत्तियों से आकृति बनाना, क्ले आर्ट, शतरंज, लूडो, कैरम के खेल, गणित के जादू, गुलदस्ते बनाना, रिदम समय के साथ थाली खेल आदि भी सीख रहे हैं। बीईओ कुर्रे, बीआरससी वर्मा आरंग एवं उनकी टीम के द्वारा सतत निरीक्षण कर उनका उत्साह भी बढ़ाया जा रहा है।

शहीद उद्यान में झीरम के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

झीरम घाटी हमले में शहीद योगेंद्र शर्मा के शहादत दिवस 11वी बरसी के अवसर में शहीद योगेंद्र शर्मा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और शहीद उद्यान धरसीवां में स्थापित प्रतिमा में पुष्पांजलि अर्पित कर सभी ने नमन किया साथ ही इस पुष्पांजलि सभा में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया इसमें पूर्व विधायक अनिता शर्मा ने अस्पताल परिसर मे मरीज और उनके परिजनों को फल वितरण किया। इस अवसर में पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा ने नम आखों से योगेंद्र शर्मा जी को याद करते हुए कहा लगातार जनसेवा के माध्यम से धरसीवा की जनता की सेवा करते थे और उन्हीं के कर कमलों में चलकर उनकी ही प्रेरणा से हम जनता की सेवा दिन-रात कर रही हूं।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर,प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता शैलेश नितिन त्रिवेदी,प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता महेंद्र छाबड़ा,पूर्व मंडी उपाध्यक्ष महेश शर्मा,पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा, जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष उधोराम वर्मा,जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा सहित समस्त वरिष्ठ कांग्रेस जन एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी,जिला कांग्रेस कमेटी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी,युवा कांग्रेस,एनएसयूआई सहित भारी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

श्रमिक सम्मान समारोह सांकरा में 30 को

सिलयारी। सांकरा में प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मान समारोह आगामी 30 मई को किया जाएगा। आयोजक मजदूर इंटक के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल बांधे ने बताया कि सिलतरा इंडस्ट्रियल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सांकरा चौक में प्रदेश स्तरीय मजदूर सम्मान समारोह रखा गया है। कार्यक्रम के संयोजक मजदूर नेता कमल बांधे प्रदेश उपाध्यक्ष इंटक छत्तीसगढ़ ने कहा कि आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए इस बार किसी भी नेता को कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया है तथा किसी भी पार्टी चिन्ह का प्रयोग नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम में उद्योगपतियों प्रबुद्ध जनों मीडिया कर्मियों सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं एनजीओ तथा मजदूर लीडरों को आमंत्रित किया गया है जिनके हाथों से मजदूरों का सम्मान किया जाएगा।

झीरम के शहीदों को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

ब्लाक कांग्रेस कमेटी अभनपुर के तत्वावधान में सदभावना कुटी में 25 मई 2013 को झीरम घाटी में कांग्रेस परिवर्तन यात्रा के दौरान नक्सली हमले में हुये शहीद छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेताओं, पूर्व पार्टी प्रदेशाध्यक्ष व सुरक्षा बल के जवानों को बलिदान दिवस पर श्रदांजलि दी गई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव प्रवीण साहू,ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भोला सोनवानी,नवापारा ग्रामीण ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गिरधारी साहू,जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमति देवन्दनी साहू,महिला कांग्रेस कमेटी अभनपुर ब्लाक अध्यक्ष श्रीमति नीमा निम्बेकर, सभापति अनुसुइया साहू,नायकबंधा सरपंच श्रीमति रूपा कोसरिया,अनुसूचित जाति प्रदेश सचिव पन्ना लाल नावरंगे, जोन प्रभारी उपजीत सचदेवा,वरिष्ठ कांग्रेसी हेमंत शर्मा ,नंदू साहू ,संदीप दीवान,कन्हैया शर्मा,यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष जयवर्धन बघेल,चोवा राम बघेल,सोनजीत ध्रुव, बीरेंद्र सिन्हा, डोमेन्द्र साहू,शेषनारायण हरवंश, सुमित तम्बोली ओमप्रकाश साहू विमल सिन्हा,कुंजलाल साहू सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेज 11 के शेष...

पहले दिन नहीं तपा...

बनी हुई है। इसका प्रभाव कल से दिखने के आसार हैं और 27-28 मई को प्रदेश में सीजन की सबसे अधिक गर्मी पड़ने की पूरी संभावना बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि मई में अब तक रात का न्यूनतम तापमान राहत भरा रहा है, मगर अब पारा तीस डिग्री अथवा इससे अधिक होने की संभावना बन गई है। शनिवार को नवतपा का पहला दिन था, मगर राज्य का अधिकतम तापमान राजनांदगांव में 42.5 डिग्री तक ही पहुंच पाया। रायपुर का पारा 40.4 डिग्री पर ही सिमटा रहा। अगले चौबीस घंटे में कुछ स्थानों पर बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है, मगर मध्य इलाकों में गर्मी के तेज तेवर नजर आने की संभावना बनी हुई है।

विस्तारा की उड़ान में...

खामियों की वजह से कंपनी ने अपनी एक उड़ान को महीनेभर से स्थगित कर रखा है। उसकी फ्लाइट कभी सुबह तो कभी शाम के वक्त संचालित हो रही है और यह सिलसिला 31 मई तक कायम रहेगा। सूत्रों के अनुसार छह फ्लाइट होने के बाद भी सर्वाधिक यात्रियों की वजह से रायपुर दिल्ली का किराया अधिक रहता है। अभी गर्मी की छुट्टियों में भी बड़ी संख्या में लोग सैर-सपाटे के लिए जा रहे हैं। एक फ्लाइट की कटौती होने की वजह से रायपुर-दिल्ली का किराया अभी बढ़ा हुआ है और चौबीस घंटे पहले टिकट लेने पर बीस हजार रुपए तक देने पड़ रहे हैं। अभी इंडिगो की चार और विस्तारा की एक फ्लाइट ट्रेक पर है। सूत्रों का कहना है कि 31 मई के बाद विस्तारा की दोनों उड़ान नियमित होगी, जिसके बाद किराए में थोड़ी कमी आ सकती है।

दूरदर्शन के पास...

की कोशिश की जा रही है। हाईवा शुक्रवार देर रात से फंसा हुआ है। हाईवा को निकालने शनिवार को कोशिश की गई, लेकिन सारी कोशिशें नाकाम रहीं। ट्रैफिक अफसर के मुताबिक रविवार को हाईवा के नहीं निकलने की स्थिति में उसमें लदी बजरी को खाली कराया जाएगा। इसके बाद क्रेन की मदद से हाईवा को रोड से हटाया जाएगा। हाईवा फंसने की बात को लेकर पुलिस से संपर्क करने पर पुलिस ने इस संबंध में अनभिज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें रोड में हाईवा फंसे होने की जानकारी नहीं है।

5 साल पहले...

की जरूरत पड़ रही है। जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेन्द्र के मुताबिक नवतपा के दौरान पानी की खपत 300 एमएलडी तक पहुंच सकती है, जो पिछले पांच साल के इसी सीजन के अधिकतम पानी आपूर्ति से 30 एमएलडी ज्यादा है।

कैचमेंट एरिया से बाहर...

कौशिल्या विहार, इंद्रप्रस्थ रायपुरा सहित अन्य कालोनियां इन पानी टंकियों के केचमेंट एरिया में शामिल नहीं है। इन कालोनियों के नगर निगम को हैंडओवर होने के साथ ही जल विभाग पर इन क्षेत्रों में जल आपूर्ति का दोहरा दबाव निर्मित हो रहा है। परसुलीडीह स्थित हाउसिंग बोर्ड की कालोनी भी एक उदाहरण है, जो निगम सीमा क्षेत्र से बाहर होने के बाद भी नगर निगम अपने सड्डू स्थित पानी टंकी से जल आपूर्ति कर रहा है।

लोकसभा चुनाव के...

बाद मंत्रालय के दो नंबर और चार नंबर गेट पर बायोमीट्रिक सिस्टम को लगाने की तैयारी है। सुरक्षा अधिकारियों की देख रेख में पूरा सिस्टम काम करेगा। वहीं इंद्रावती में भी इसे मुख्य और पिछले प्रवेश गेट पर लगाया जाएगा। कर्मचारियों के आने और जाने के समय इस पर इंट्री करनी होगी। सप्ताह में पांच दिन शासकीय कार्य होने के बाद में सरकारी कार्यालयों में समय पर उपस्थिति को ठीक करने यह प्रणाली अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने उपस्थिति को लेकर पहले ही कड़ाई शुरू कर दी है। हर कर्मचारी की मेन्यूअली उपस्थिति के बजाय बायोमेट्रिक उपस्थिति से समय का पूरा पालन पर जोर होगा। हालांकि स्पष्ट तौर पर निर्णय नहीं हुआ है, पर चर्चाओं के बीच इसके विरोध की सुगबुगाहट भी शुरू हो गई है।

विरोध की सुगबुगाहट:- मंत्रालय और इंद्रावती भवन में इसकी चर्चा के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच चर्चा होने लगी है। बायोमेट्रिक से सबसे अधिक दिक्कत उन राजपत्रित अधिकारियों को होगी, जो फील्ड का काम भी देखते हैं। नवा रायपुर और पुराने रायपुर के बीच दूरी की वजह से कर्मचारी-अधिकारी अपने-अपने साधन से जाते हैं। उन्हें समय पर उपस्थिति में कई बार परेशानी भी होती है। अब इन सब मामलों को लेकर चुनाव के चलते कर्मचारी और उनका संगठन कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

न्यायालय (जितेन्द्र कुमार सिहं) द्वितीय अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण कटघोरा, जिला कोरबा (छ.ग.)

ईश्तहार

प्रकरण क्रमांक-70/16
प्रोसेस क्रमांक-559/2024
पेशी तारीख-14/06/2024

पुष्पा बाई ....वादी/आवेदक

विरूद्ध

फण्डेश्वर प्रताप सिंह ....प्रतिवादी/अनावेदक

[illegible]

(जितेन्द्र कुमार सिहं)
द्वितीय अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण कटघोरा, जिला कोरबा (छ.ग.)

शपथ पत्र

मै श्रीमती पल्लवी तोमर उम्र 46 वर्ष पति श्री अजय कुमार तोमर निवासी बी-41 केपिटल सिटी सडडू तहसील व जिला रायपुर छ.ग. निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूॅ कि :-

01.यह कि मै उपरोक्त पते पर निवास करती हूॅ तथा वह मेरे पत्र व्यवहार का पता है ।

02. यह कि हमारा सरनेम तोमर है तथा मेरे नाम के साथ पल्लवी तोमर दर्ज किये जाने हेतु मै यह शपथ पत्र दे रही हूॅ।

03.यह कि श्रीमती पल्लवी तोमर पति अजय कुमार तोमर मेरा पूरा वास्तविक सरनेम सहित नाम है अतः जहाँ पर पल्लवी दर्ज वहाॅ पर पल्लवी तोमर दर्ज किया जावे। अतः यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

सत्यापन

मै उपरोक्त शपथकर्ता सत्यनिष्ठा से सत्यापित करती हूॅ कि इस शपथ पत्र की कंडिका क्रमांक 01 से 03 के कथन मेरी निजी जानकारी में सत्य व सही है एवं आज दिनांक को स्थान रायपुर छ.ग. में अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

स्थान रायपुर
दिनांक :- 25.05.2024 सत्यापनकर्ता

न्यायालय तहसीलदार खरोरा, जिला रायपुर (छ.ग.)
रा.प्र. क्र./202405110600011/अ/6 अ 2023-24 ग्राम- कोदवा, प.ह.नं. 36

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक दुलारू राम कुर्रे पिता स्व. डेरहा राम [illegible] कार्यालय को प्राप्त हुआ है। तत्संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तों वे पेशी दिनांक 10/06/2024 को न्यायालयीन समय में मेरे समक्ष उपस्थित होकर दावा /आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

(मुहर)

तहसीलदार
खरोरा
जिला- रायपुर (छ.ग.)

// आम-सूचना //

[illegible]

एन. के. पटेल, आशीष तिवारी (अधिवक्तागण)
[illegible]

न्यायालय विवाह अधिकारी रायपुर (छ.ग.)

फार्म 'अ'

सर्व साधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री अरूण सिंह पिता श्री गुलाब सिंह निवासी विकास विहार रायपुरा पो सुंदर नगर जिला रायपुर एवं कु.पौष्पी सिंह पिता बजरंग सिंह निवासी वार्ड नं. 04 म.नं. 79 लोहरपारा तिवारी पान सेंटर के पास जिला जांजगीर-चांपा ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अधीन अपने विवाह के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित विवाह के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 21 जून, 2024 के पूर्व निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नही होगी, तथा यह शून्य माना जावेगा।

आज दिनांक 22 मई, 2024 को इस न्यायालय के हस्ताक्षर एवं मुद्रा जारी किया गया।

अवधि 30 दिन से कम न हो

(मुहर)

विवाह अधिकारी,
रायपुर (छ.ग.)

// आम सूचना//

जारी दिनांक 24.05.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गिरीश परूथी पिता/पति रघूवीर परूथी निवासी कांकेर द्वारा आवेदित ग्राम सिवनी प.ह.नं. 18 राजस्व निरीक्षक मंडल केंन्द्री स्थित भूमि खसरा नंबर 198 रकबा क्रमशः 0.405 हे. भूमि का न्यायालय तहसीलदार अभनपुर आदेश दिनांक 10.04.2024 के परिपालन में दिनांक 12.06.2024 को समय अपरान्ह 12 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है। अतः उक्त सीमांकन/बटांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन /बटांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नंबर 18 के बेन्द्री स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/ आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. केन्द्री,
अभनपुर (छ.ग.)

// आम सूचना//

जारी दिनांक 24.05.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अभिषेक परूथी पिता/पति सुभाष परूथी निवासी श्याम नगर रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम सिवनी प.ह.नं. 18 राजस्व निरीक्षक मंडल केंन्द्री स्थित भूमि खसरा नंबर 202/1, 202/7 रकबा क्रमशः 0.162, 0.218 हे. भूमि का न्यायालय तहसीलदार अभनपुर आदेश दिनांक 10.04.2024 के परिपालन में दिनांक 12.06.2024 को समय अपरान्ह 12 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है। अतः उक्त सीमांकन/बटांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन /बटांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नंबर 18 के बेन्द्री स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा /आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. केन्द्री,
अभनपुर (छ.ग.)

:: आम सूचना ::

जारी दिनांक 24/05/2024

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिता सिंघवानी पिता/पति अजय सिंघवानी निवासी कचना रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम सिवनी प.ह.नं. 18 राजस्व निरीक्षक मंडल केंद्री स्थित भूमि खसरा नंबर 178/8, 178/12, शामिल 192/12, 207/11, 193/3 रकबा क्रमशः 0.279, 0.113, 0.226 हे.भूमि का न्यायालय तहसीलदार अभनपुर आदेश दिनांक 10/04/2023 के परिपालन में दिनांक 12/06/2024 को समय अपरान्ह 12 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है। अतः उक्त सीमांकन/बटांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन/बटांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नंबर 18 के बेन्द्री स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं या अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.नं.- केंद्री, अभनपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक 24.05.2024

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शुभाष परूथी पिता धरमवीर परूथी निवासी श्याम नगर रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम सिवनी प.ह.नं. 18 राजस्व निरीक्षक मंडल केंद्री स्थित भूमि खसरा नंबर 193/1, 199/3 रकबा क्रमशः 0.490, 0.101 हे. भूमि का न्यायालय तहसीलदार अभनपुर आदेश दिनांक 10/04/2024 के परिपालन में दिनांक 12/06/2024 को समय अपरान्ह 12 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है। अतः उक्त सीमांकन/ बटांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नंबर 18 के बेन्द्री स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजो सहित स्वयं या अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/ आपित्त पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. - केंद्री,
अभनपुर (छ.ग.)

प्रारूप - 37
(नियम 61 (3) देखिए)
मोटरयान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी को रद्दकरण के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभ्यर्पण करने और वित्तपोषक के नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की सूचना
(दो प्रतियों में, दूसरी प्रति नोटिस जारी करने पर वित्तपोषक को भेजी जावेगी

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी रायपुर सं. 217 तारीख 24/05/2024

श्री/श्रीमती / कुमारी GOUKARAN PATEL, S/O- ANAND PATEL, SHITLA PARA WARD, HATKESAR, DHAMTARI (M), DIST- DHAMTARI (CG)- 493773 (रजिस्ट्रीकृत स्वामी) को यह सूचित किया है कि TATA MOTORS FINANCE LTD. Raipur (वित्तपोषक) ने यह सूचित किया है कि [illegible] CG04NV8613 [illegible]

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, रायपुर

प्रारूप - 37
(नियम 61 (3) देखिए)
मोटरयान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी को रद्दकरण के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभ्यर्पण करने और वित्तपोषक के नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की सूचना
(दो प्रतियों में, दूसरी प्रति नोटिस जारी करने पर वित्तपोषक को भेजी जावेगी)

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी रायपुर सं. 218 तारीख 24/05/2024

श्री/श्रीमती/कुमारी GANESH RAM, S/O- JUGUL RAM, KANAMUKA, PO KACHNA, KACHNA, DHAMTARI, DIST- DHAMTARI (CG)- 493773, MOB NO. 6263777669 (रजिस्ट्रीकृत स्वामी) को यह सूचित किया है कि TATA MOTORS FINANCE LTD. Raipur (वित्तपोषक) ने यह सूचित किया है कि [illegible] CG04NJ5538 [illegible]

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, रायपुर

Health Town

मूत्र किडनी एवं प्रोस्टेट

समस्त किडनी रोग गुर्दा, नेफ्रोलाजी किडनी में सुजन दर्द पेशाब कम होना या रूकावट जलन, सिरम क्रिएटिनिन, यूरिक एसिड, यूरिया का बढ़ना पैरो या आंखो में सूजन अगर डायलिसिस में चल रहे हो या किडनी बदलने कि नौबत आ गई हो तो इस चिकित्सा से जीवन बच सकता है, यह चिकित्सा किडनी के नेफ्रान्स सेल को पुनः एक्टीवेट (रिजनरेट) अर्थात् फिर से जीवन प्रदान करता है यूरेथ्राट्रेक्टर (मूत्र नली का सिकुड़ना) पेशाब न उतरना, बूंद बूंद टपकना या बन्द होना, आपरेशन कि आवश्यकता नहीं होती एवं पेशाब में जलन, पीला लालिमा रहना या खून या मवाद आना। प्रोस्टेट विकार बार बार पेशाब होना, बूंद-बूंद या रूकना, इसके कारण सेक्स में आई कमजोरी। समय : 11 से 3 बजे तक

जीवन ज्योति क्लीनिक डॉ. आर अग्रवाल (हर्बल मेडिसीन) नया बस स्टैण्ड के अंदर, गोलू पोहा जलेबी होटल के ऊपर शॉप नं. 25 पूर्व (छ.ग.)
स्थायी चिकित्सा परामर्श के लिए मिले मो. 7587099540 (आने से पहले फोन करें)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508133

Education Time

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"Education makes future better"
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN Nursery to 12th (Biology, Maths, Commerce) Register Now at www.mesraipur.com
Highlight: Spoken English & Personality Development Classes • Transport & Surveillance Facility • Monthly Seminar & Discussion • Personal attention on each students • Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.) Contact:- 07771-4000123

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio, Arts)
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN Nursery to 12th Register Now at www.rpsraipur.com
Silent Features: Extra curricular activities • Personal attention to each student • Limited student in each class • Music, Dance, personality development classes • Yoga • Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur, (C.G.) Mo.:- 9589085558, 9329621221, Email:- rpsraipur123@gmail.com

Contact to Add Your School - 79871-19756

खबर संक्षेप

हनुमान मंदिर में किया प्रसाद वितरण

रायपुर। बूढ़ेश्वर मंदिर के सामने स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर के प्रांगण में शनिवार को प्रसाद वितरण किया गया। यह कार्यक्रम वज्रक्ष गौतम के पहले जन्मदिन के अवसर पर किया गया। मंदिर में प्रसाद ग्रहण करने सैकड़ों लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। साथ ही लोगों ने कहा कि संकटमोचन हनुमानजी की कृपा परिवार पर और सुख-शांति, समृद्धि बनी रहे।

तीन दिवसीय उर्स पाक आज से

रायपुर। हजरत सैय्यद चांद शाह वली रहमतुल्लाह अलैह तीन मजार नाके वाले बाबा का उर्स पाक 26, 27 और 28 मई को बड़े ही शानो-शौकत से मनाया जाएगा। 26 मई को शाम 4 बजे असर की नमाज के बाद आस्ताने से संदल चादर निकाली जाएगी, जो शहर का गश्त करते हुए मजार शरीफ पहुंचेगी। बाद नमाज मगरिब चादरपोशी की रस्म अदा की जाएगी। दुआ-खैर के बाद तबरुक तकसीम किया जाएगा। इसी दिन बाद नमाज ईशा इमरान अशरफी साहब और कारी मोहम्मद तौकीर मियां जामई और अन्य उलेमाओं की तकरीर होगी। मजार के शेख रहीम, शेख शमीम और शेख निजाम ने बताया कि 27 मई को मगरिब की नमाज के बाद न्याल बंधुओं की कव्वाली और समा महफिल का प्रोग्राम रखा गया है।

राइट टू एजूकेशन, कितने बच्चों ने छोड़ा स्कूल, जानकारी जुटाने आज समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आरटीई पर शासन सख्त, ड्रॉप बच्चों पर बनाई जा रही रिपोर्ट

शिक्षा के अधिकार के तहत बच्चों का एडमिशन और निजी स्कूल छोड़ने के मामले में सख्त शिक्षा विभाग आज स्कूल के प्राचार्यों के साथ समीक्षा बैठक कर जानकारी जुटाएगा। इस योजना के तहत जिलास्तर पर बैठक कर स्कूल ड्रॉप करने वाले बच्चों पर शासन स्तर पर रिपोर्ट तैयार कराई जा रही है।

- निजी स्कूलों द्वारा मनमानी किए जाने की शिकायतें भी काफी अधिक मिलती रहती हैं

जिला शिक्षा अधिकारी मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी बाजपेयी स्मृति सभागार में सोमवार को सभी शासकीय और निजी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक बुलाई गई है। बैठक का मुद्दा आरटीई के तहत प्रवेशित बच्चों का स्कूल ड्रॉप किया जाना है। सूत्रों का कहना है कि शासन इस मामले में काफी गंभीर है और इस योजना के तहत बच्चों को एडमिशन देने के मामले में निजी स्कूलों द्वारा मनमानी किए जाने की शिकायतें भी काफी अधिक मिलती रहती हैं।

राशि लंबित रहने की शिकायत

राइट टू एजुकेशन के तहत निजी स्कूलों द्वारा शुल्क प्रतिपूर्ति बड़ी राशि लंबित होने की शिकायत की जाती रही है, हालांकि शासन स्तर पर इसे नकारा जा चुका है। योजना के तहत स्कूल ड्रॉप करने के मामले में तमाम जिला शिक्षा अधिकारियों को पांच साल की जानकारी के आधार पर समीक्षा कर रिपोर्ट 10 दिन के भीतर तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस निर्देश को लेकर जिलास्तर के अधिकारी सक्रिय हो गए हैं और निजी स्कूलों में भी बेचैनी बढ़ी हुई है।

ट्रेनों में भीड़ से सफाई व्यवस्था ठप, एसी बोगी में गंदगी का अंबार, दुर्गंध से यात्रियों का बुरा हाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ट्रेनों के भीतर रेलवे की सफाई व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है, क्योंकि अब एक्सप्रेस ट्रेनों में एसी कोच के सफाई स्लीपर के समान हो चुकी है। यात्रियों को गंदगी और दुर्गंध के बीच ट्रेन में सफर करना पड़ रहा है। ट्रेनों में कोच की सफाई के लिए रेलवे ने हेल्पलाइन नंबर के अलावा अलग से सफाई कर्मचारी नियुक्त किए हैं, फिर भी एसी कोच में शौचालय, वॉश बेसिन से लेकर कूड़ेदान की सफाई शिकायत करने के बाद भी नहीं हो रही। शुक्रवार को रायपुर से गुजरने वाली आजाद हिंद, संपर्क क्रांति, गोंडवाना एक्सप्रेस 20808 के सेकेंड एसी कोच में यात्रियों को भारी गंदगी के बीच सफर करना पड़ा। आजाद हिंद एक्सप्रेस के यात्री कैलाश यादव ने हरिभूमि को ट्रेन के भीतर फैली गंदगी की तस्वीर साझा कर बताया कि ट्रेन में गंदगी इस कदर थी कि यात्री एक मिनट भी गेट के पास खड़ा न हो सके। वॉश बेसिन पानी भरा हुआ था, वहीं कूड़ेदान का कचरा कोच में फैला हुआ था। टीटीई से शिकायत के बाद भी कोई कर्मचारी सफाई करने नहीं पहुंचा। पूरे कोच में यात्री गंदगी की दुर्गंध से परेशान रहे।

- जोन से गुजरने वाली आजाद हिंद एक्सप्रेस के एसी कोच में गंदगी

रेलवे के सारे दावे फेल

रेलवे ने ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को सुविधा देने सफाई कर्मचारी का नंबर लिखकर रखा है। इसके अलावा 139 नंबर पर कॉल करने पर तत्काल मदद का दावा किया जाता है, लेकिन रेलवे से मदद मांगे जाने पर यात्रियों को सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। सफाई व्यवस्था को लेकर रेलवे के सारे दावे फेल होते नजर आ रहे हैं।

भीड़ के कारण नहीं होती नियमित सफाई

ट्रेनों में गंदगी के मामले में छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस आगे है। यह ट्रेन कोरबा से होते हुए पंजाब जाती है। इस बीच हर स्टेशन पर कर्मचारी को बाथरूम व वॉश बेसिन साफ करना होता है, लेकिन नियमित साफ-सफाई नहीं होने से इस ट्रेन में गंदगी बढ़ने लगी है। यात्रियों को आए दिन गंदगी के बीच सफर करना पड़ता है। ट्रेनों में नियमित मेंटेनेंस नहीं होने के कारण यात्रियों को सफर में दिक्कत होती है। रायपुर से गुजरने वाली पोरबंदर, रक्सौल व हावड़ा एक्सप्रेस में भी इन दिनों सफाई व्यवस्था बिगड़ी हुई है। भीड़ होने के कारण सफाईकर्मी कोच में नहीं पहुंचते।

शिकायत पर मिलता रहा आश्वासन

संपर्क क्रांति, गोंडवाना एक्सप्रेस के एसी कोच में गंदगी के कारण यात्रियों का एक कोच से दूसरे कोच में जाना मुश्किल हो गया। यात्री ने टीटीई से शिकायत की, जिस पर टीटीई ने बिलासपुर में सफाई कराने का आश्वासन दिया, लेकिन ट्रेन बिलासपुर से गोंदिया होते हुए नागपुर पहुंच गई, पर कोच में सफाई करने कोई नहीं आया।

सड़क पर अवैध ठेले गुमटियां हटाईं, दुकान के बाहर सामान रखने पर जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहर में शनिवार को सड़क पर अवैध रूप से ठेला-गुमटी लगाकर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ निगम अमले ने कार्रवाई की। जोनवार चलाये गये अभियान में जोन 6 की टीम ने जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल के निर्देश पर संतोषी नगर चौक से बोरिया रोड तक सड़क के दोनों ओर अवैध रूप से लगाई गई दुकानों को हटाया। कुछ दुकानदारों से अपनी दुकानों का सामान सड़क घेरकर रखा था, जिसे निगम अमले ने जब्त कर लिया।

- जोन 6 टीम ने संतोषीनगर से बोरिया रोड पर की कार्रवाई

नगर निगम जोन 5 अमले ने लाखे नगर चौक से सुंदर नगर चौक तक अवैध ठेला व गुमटी लगाने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर ठेले व गुमटियों को हटाया। सड़क किनारे लगाई गई जूस की दुकानों को वहां से हटाने तत्परता दिखाई। इसी तरह अश्विनी नगर क्षेत्र में निगम अमला सड़क यातायात सुगम बनाने अवैध-ठेला गुमटी हटाने जुटा रहा।

पेज 11 के शेष ...

पहले दिन नहीं तपा...

बनी हुई है। इसका प्रभाव कल से दिखने के आसार हैं और 27-28 मई को प्रदेश में सीजन की सबसे अधिक गर्मी पड़ने की पूरी संभावना बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि मई में अब तक रात का न्यूनतम तापमान राहत भरा रहा है, मगर अब पारा तीस डिग्री अथवा इससे अधिक होने की संभावना बन गई है। शनिवार को नवतपा का पहला दिन था, मगर राज्य का अधिकतम तापमान राजनांदगांव में 42.5 डिग्री तक ही पहुंच पाया। रायपुर का पारा 40.4 डिग्री पर ही सिमटा रहा। अगले चौबीस घंटे में कुछ स्थानों पर बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है, मगर मध्य इलाकों में गर्मी के तेज तेवर नजर आने की संभावना बनी हुई है।

विस्तारा की उड़ान में...

खामियों की वजह से कंपनी ने अपनी एक उड़ान को महीनेभर से स्थगित कर रखा है। उसकी फ्लाइट कभी सुबह तो कभी शाम के वक्त संचालित हो रही है और यह सिलसिला 31 मई तक कायम रहेगा। सूत्रों के अनुसार छह फ्लाइट होने के बाद भी सर्वाधिक यात्रियों की वजह से रायपुर दिल्ली का किराया अधिक रहता है। अभी गर्मी की छुट्टियों में भी बड़ी संख्या में लोग सैर-सपाटे के लिए जा रहे हैं। एक फ्लाइट की कटौती होने की वजह से रायपुर-दिल्ली का किराया अभी बढ़ा हुआ है और चौबीस घंटे पहले टिकट लेने पर बीस हजार रुपए तक देने पड़ रहे हैं। अभी इंडिगो की चार और विस्तारा की एक फ्लाइट ट्रेक पर है। सूत्रों का कहना है कि 31 मई के बाद विस्तारा की दोनों उड़ान नियमित होगी, जिसके बाद किराए में थोड़ी कमी आ सकती है।

दूरदर्शन के पास...

की कोशिश की जा रही है। हाईवा शुक्रवार देर रात से फंसा हुआ है। हाईवा को निकालने शनिवार को कोशिश की गई, लेकिन सारी कोशिशें नाकाम रहीं। ट्रैफिक अफसर के मुताबिक रविवार को हाईवा के नहीं निकलने की स्थिति में उसमें लदी बजरी को खाली कराया जाएगा। इसके बाद क्रेन की मदद से हाईवा को रोड से हटाया जाएगा। हाईवा फंसने की बात को लेकर पुलिस से संपर्क करने पर पुलिस ने इस संबंध में अनभिज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें रोड में हाईवा फंसे होने की जानकारी नहीं है।

5 साल पहले...

की जरूरत पड़ रही है। जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेन्द्र के मुताबिक नवतपा के दौरान पानी की खपत 300 एमएलडी तक पहुंच सकती है, जो पिछले पांच साल के इसी सीजन के अधिकतम पानी आपूर्ति से 30 एमएलडी ज्यादा है।

कैचमेंट एरिया से बाहर...

कौशिल्या विहार, इंद्रप्रस्थ रायपुरा सहित अन्य कालोनियां इन पानी टंकियों के केचमेंट एरिया में शामिल नहीं है। इन कालोनियों के नगर निगम को हैंडओवर होने के साथ ही जल विभाग पर इन क्षेत्रों में जल आपूर्ति का दोहरा दबाव निर्मित हो रहा है। परसुलीडीह स्थित हाउसिंग बोर्ड की कालोनी भी एक उदाहरण है, जो निगम सीमा क्षेत्र से बाहर होने के बाद भी नगर निगम अपने सड्डू स्थित पानी टंकी से जल आपूर्ति कर रहा है।

लोकसभा चुनाव के...

बाद मंत्रालय के दो नंबर और चार नंबर गेट पर बायोमीट्रिक सिस्टम को लगाने की तैयारी है। सुरक्षा अधिकारियों की देख रेख में पूरा सिस्टम काम करेगा। वहीं इंद्रावती में भी इसे मुख्य और पिछले प्रवेश गेट पर लगाया जाएगा। कर्मचारियों के आने और जाने के समय इस पर इंट्री करनी होगी। सप्ताह में पांच दिन शासकीय कार्य होने के बाद में सरकारी कार्यालयों में समय पर उपस्थिति को ठीक करने यह प्रणाली अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने उपस्थिति को लेकर पहले ही कड़ाई शुरू कर दी है। हर कर्मचारी की मेन्यूअली उपस्थिति के बजाय बायोमेट्रिक उपस्थिति से समय का पूरा पालन पर जोर होगा। हालांकि स्पष्ट तौर पर निर्णय नहीं हुआ है, पर चर्चाओं के बीच इसके विरोध की सुगबुगाहट भी शुरू हो गई है।

गैरेज में काम करने वाले गार्ड की लूट की नीयत से हत्या कर लाश नाले में फेंकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आमानाका थाना क्षेत्र में गैरेज में काम करने वाले गार्ड की गार्डन के नाले में लाश मिली है। हत्या की वजह लूट बताई जा रही है। लूट की वजह मौके से मृतक का पर्स के साथ मोबाइल गायब होना है। हत्यारों का अब तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की बात कह रही है। पुलिस के अनुसार मृतक का मोबाइल तथा पर्स गायब है। इसीलिए पुलिस ने लूट की नीयत से हत्या करने की आशंका व्यक्त की है। इसके अलावा पुलिस, हत्या की वजह जानने अन्य कारणों की जानकारी जुटा रही है।

- घटना आमानाका थाना क्षेत्र की

पुलिस के मुताबिक चंगोराभाठा निवासी 45 वर्षीय कल्याण की लाश नाले में मिली है। मृतक कें चेहरे तथा सिर पर चोट के निशान हैं। मृतक जिस गैरेज में काम करता था, उसकी कुछ दूरी पर नाले में लोगों ने लाश देखी, इसके बाद लोगों ने पुलिस को लाश मिलने की सूचना दी। मौके पर फोरेंसिक एक्सपर्ट तथा पुलिस की टीम जांच में जुटी हुई है। कल्याण की जहां लाश मिली है, पुलिस उसके आसपास सीसीटीवी फूटेज में संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटा रही है। इसके साथ ही पुलिस आसपास रहने वाले लोगों से पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि तीन वर्ष पूर्व राखी के एक दिन पूर्व रक्षाबंधन मनाने आए एक ट्रक ड्राइवर की सोनडोंगरी में अज्ञात बदमाशों ने लूट की नीयत से हत्या कर दी थी, पुलिस घटना में शामिल बदमाशों को अब तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

महिला के हत्यारों का अब तक पता नहीं

टिकरापारा थाना क्षेत्र में तीन दिन पूर्व लालपुर के रहने वाली 45 वर्षीय महिला केवरा बाई की हत्या के मामले को पुलिस अब तक सुलझा नहीं पाई है। महिला की गुरुवार को कमल विहार सेक्टर चार में सड़ी गली लाश मिली थी। पुलिस को महिला की अब तक शार्ट पीएम रिपोर्ट नहीं मिल पाई है। टिकरापारा थाने की पुलिस आसपास लगे दो दर्जन सीसीटीवी फूटेज की पड़ताल कर चुकी है। हत्यारों को गिरफ्तार करने पुलिस ने लोकल मुखबिर की मदद लेने की जानकारी दी है।

न्यायालय (जितेन्द्र कुमार सिंह) द्वितीय अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण कटघोरा, जिला कोरबा (छ.ग.)

ईश्तहार

प्रकरण क्रमांक-70/16
प्रोसेस क्रमांक-559/2024
पेशी तारीख-14/06/2024

पुष्पा बाई ....वादी/आवेदक
विरूद्ध
पण्डेश्वर प्रताप सिंह ....प्रतिवादी/अनावेदक
बनाम
सौरभ पाण्डेय s/o नरेन्द्र देव पाण्डेय, निवासी म.नं. 31 साई मंदिर के पीछे दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर तह. व जिला-रायपुर (छ.ग.)

वादी/आवेदक पुष्पा बाई के द्वारा प्रतिवादी/अनावेदक पण्डेश्वर प्रताप सिंह के विरूद्ध धारा 166 मोटरयान अधिनियम के तहत माननीय न्यायालय श्रीमान् द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायालय कटघोरा छ.ग. में प्रस्तुत किया गया है और उक्त आवेदन पत्र की सुनवाई हेतु दिनांक 14/06/2024 की तिथि है।

अतः प्रतिवादी/अनावेदक सौरभ पाण्डेय s/o नरेन्द्र देव पाण्डेय, निवासी म.नं. 31 साई मंदिर के पीछे दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) को उक्त आवेदन पत्र के संबंध में कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 14/06/24 को प्रातः 11 बजे उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति इस न्यायालय में पेश करे अन्यथा प्रकरण की सुनवाई आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी। नोट- यदि किसी कारणवश आगामी तिथि को अवकाश हो जाता है या कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा। यह आज तारीख 21/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर से अधिकरण की मद्रा लगा कर दिया गया है। दिनांक 21/05/2024

(जितेन्द्र कुमार सिंह)
द्वितीय अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण
कटघोरा, जिला कोरबा (छ.ग.)

शपथ पत्र

मै श्रीमती पल्लवी तोमर उम्र 46 वर्ष पति श्री अजय कुमार तोमर निवासी बी-41 केपिटल सिटी सडडू तहसील व जिला रायपुर छ.ग. निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूँ कि :-

01.यह कि मै उपरोक्त पते पर निवास करती हूँ तथा वह मेरे पत्र व्यवहार का पता है।

02. यह कि हमारा सरनेम तोमर है तथा मेरे नाम के साथ पल्लवी तोमर दर्ज किये जाने हेतु मै यह शपथ पत्र दे रही हूँ।

03.यह कि श्रीमती पल्लवी तोमर पति अजय कुमार तोमर मेरा पूरा वास्तविक सरनेम सहित नाम है अतः जहाँ पर पल्लवी दर्ज वहॉ पर पल्लवी तोमर दर्ज किया जावे। अतः यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ती

सत्यापन

मै उपरोक्त शपथकर्ती सत्यनिष्ठा से सत्यापित करती हूॅ कि इस शपथ पत्र की कंडिका क्रमांक 01 से 03 के कथन मेरी निजी जानकारी में सत्य व सही है एवं आज दिनांक को स्थान रायपुर छ.ग. में अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

स्थान रायपुर
दिनांक :- 25.05.2024 सत्यापनकर्ती

न्यायालय तहसीलदार खरोरा, जिला रायपुर (छ.ग.)
रा.प्र. क्र./202405110600011/अ/6 अ
2023-24 ग्राम- कोदवा, प.ह.नं. 36

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक दुलारू राम कुर्रे पिता स्व. डेरहा राम कुर्रे निवासी ग्राम कोदवा प.ह.नं. 36 रा.नि.म. बंगोली, तह. खरोरा जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा अपने स्वामित्व हक व आधिपत्य की स्थित है जिसका ऋण पुस्तिका क्रमांक पी/78834 में दर्ज खसरा नं. 246/3 रकबा 0.179 हे. भूमि को विक्रेता बुधारा बाई वल्द रामलाल से पंजीकृत बैनामा के माध्यम से पंजीयन दिनांक 22/12/2006 को क्रय किया गया था। जिसका नामांतरण क्रमांक 07 दि. 15/02/2007 है। आवेदक द्वारा उक्त खसरे में कृषि कार्य हेतु निर्वहन करने पर हल्का पटवारी से ज्ञात हुआ की संबंधित भूमि वर्तमान में विक्रेता बुधारा बाई के ही नाम से राजस्व अभिलेख में दर्ज है। जिससे आवेदक को कृषि कार्य करने पर काफी कठिनाईयों का सामना करना पड रहा है। उक्त आवेदित भूमि को विक्रेता बुधारा बाई के नाम को विलोपित कर आवेदक के नाम पर दर्ज करने हेतु तथा राजस्व अभिलेख ऑनलाईन रिकार्ड में दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदन अ.वि.अ. (रा.) तिल्दा-नेवरा के समक्ष प्रस्तुत किया है जो जांच कर प्रतिवेदन हेतु इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है। तत्संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तों वे पेशी दिनांक 10/06/2024 को न्यायालयीन समय में मेरे समक्ष उपस्थित होकर दावा /आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

(मुहर) तहसीलदार
खरोरा
जिला- रायपुर (छ.ग.)

// आम-सूचना //

(रायपुर विकास प्राधिकरण की नगर विकास योजना 04 कौशिल्या माता विहार (कमल विहार) मे आबंटित पुर्नगठित विकसित भूखण्ड सेक्टर 7A भूखण्ड क्र. सी-17, सी-18 रकबा क्रमशः 180,180 वर्गमीटर कुल रकबा 360 वर्गमीटर याने 3874 वर्गफूट भूमि है। जिसका खसरा नंबर 358 एवं 359 का भाग है जो कि वाके मौजा ग्राम देवपुरी प.ह.नं. 114/ 52 रा.नि.म. रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित है को क्रय विक्रय के संबंध में ।)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्री अक्षय गोलछा पिता श्री राजेश गोलछा ..निवासी जल विहार कालोनी रायपुर तह व जिला रायपुर (छ.ग.) के भूमिस्वामी हक एवं आधिपत्य की आवासीय भूमि रायपुर विकास प्राधिकरण की नगर विकास योजना 04 कौशिल्या माता विहार (कमल विहार) मे आबंटित पुर्नगठित विकसित भूखण्ड सेक्टर 7A भूखण्ड क्र. सी-17 सी-18 रकबा क्रमशः 180,180 वर्गमीटर कुल रकबा 360 वर्गमीटर याने 3874 वर्गफूट भूमि है। जिसका खसरा नंबर 358 एवं 359 का भाग है जो कि वाके मौजा ग्राम देवपुरी प.ह.नं. 114/ 52 रा.नि.मं. रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित है के उपरोक्त भूमि को क्रय करने हेतु पक्का सौदा तय कर टोकन ब्याना प्रदान कर दिया गया है मात्र बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है । अतः उपरोक्त भूखण्ड के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, निगम, वित्तीय, निकाय, अर्द्धशासकीय शासकीय संस्थान को स्वत्व एवं आधिपत्य के संबंध में कोई भी उजर दावा या आपत्ति हो तो मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज सहित आपत्ति 7 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें। बाद म्याद की गई कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी नहीं होगा एवं अवैध व शुन्य माना जावेगा। तथा मेरे पक्षकार उक्त भूमि का विक्रय प्रतिफल की संपूर्ण राशि भूमि स्वामी को अदा कर अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन की कार्यवाही कराने के लिए स्वतंत्र रहेगा । सो सूचना जाने ।

रायपुर छ.ग.
दिनांक : 25/05/2024

एन. के. पटेल, आशीष तिवारी
(अधिवक्तागण)
हरिभूमि प्रेस के पीछे छत्तीसगढ नगर
टिकरापारा रायपुर छ.ग.
मो.नं. 94255 10595, 8319942960

न्यायालय विवाह अधिकारी रायपुर (छ.ग.)

फार्म 'अ'

सर्व साधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री अरूण सिंह पिता श्री गुलाब सिंह निवासी विकास विहार रायपुरा पो सुंदर नगर जिला रायपुर एवं कु.पौष्पी सिंह पिता बजरंग सिंह निवासी वार्ड नं. 04 म.नं. 79 लोहरपारा तिवारी पान सेंटर के पास जिला जांजगीर-चांपा ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अधीन अपने विवाह के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित विवाह के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 21 जून, 2024 के पूर्व निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नही होगी, तथा यह शून्य माना जावेगा ।

आज दिनांक 22 मई, 2024 को इस न्यायालय के हस्ताक्षर एवं मुद्रा सहित जारी किया गया।

अवधि 30 दिन से कम न हो

(मुहर) विवाह अधिकारी,
रायपुर (छ.ग.)

// आम सूचना//

जारी दिनांक 24.05.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गिरीश परूथी पिता/पति रघूवीर परूथी निवासी कांकेर द्वारा आवेदित ग्राम सिवनी प.ह.नं. 18 राजस्व निरीक्षक मंडल केंन्द्री स्थित भूमि खसरा नंबर 198 रकबा क्रमशः 0.405 हे. भूमि का न्यायालय तहसीलदार अभनपुर आदेश दिनांक 10.04.2024 के परिपालन में दिनांक 12.06.2024 को समय अपरान्ह 12 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है। अतः उक्त सीमांकन/बटांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन /बटांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नंबर 18 के बेन्द्री स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/ आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. केन्द्री,
अभनपुर (छ.ग.)

// आम सूचना//

जारी दिनांक 24.05.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अभिषेक परूथी पिता/पति सुभाष परूथी निवासी श्याम नगर रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम सिवनी प.ह.नं. 18 राजस्व निरीक्षक मंडल केंन्द्री स्थित भूमि खसरा नंबर 202/1, 202/7 रकबा क्रमशः 0.162, 0.218 हे. भूमि का न्यायालय तहसीलदार अभनपुर आदेश दिनांक 10.04.2024 के परिपालन में दिनांक 12.06.2024 को समय अपरान्ह 12 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है। अतः उक्त सीमांकन/बटांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन /बटांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नंबर 18 के बेन्द्री स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा /आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. केन्द्री,
अभनपुर (छ.ग.)

:: आम सूचना ::

जारी दिनांक 24/05/2024

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक अनिता सिंधवानी पिता/पति अजय सिंधवानी निवासी कचना रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम सिवनी प.ह.नं. 18 राजस्व निरीक्षक मंडल केंद्री स्थित भूमि खसरा नंबर 178/8, 178/12, शामिल 192/12, 207/11, 193/3 रकबा क्रमशः 0.279, 0.113, 0.226 हे.भूमि का न्यायालय तहसीलदार अभनपुर आदेश दिनांक 10/04/2023 के परिपालन में दिनांक 12/06/2024 को समय अपरान्ह 12 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया हैं । अतः उक्त सीमांकन/बटांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन/बटांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नंबर 18 के बेन्द्री स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं । इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा ।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.नं.- केंद्री, अभनपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक 24.05.2024

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक शुभाष परूथी पिता धरमवीर परूथी निवासी श्याम नगर रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम सिवनी प.ह.न. 18 राजस्व निरीक्षक मंडल केंद्री स्थित भूमि खसरा नंबर 193/1, 199/3 रकबा क्रमशः 0.490, 0.101 हे. भूमि का न्यायालय तहसीलदार अभनपुर आदेश दिनांक 10/04/2024 के परिपालन में दिनांक 12/06/2024 को समय अपरान्ह 12 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया हैं। अतः उक्त सीमांकन/ बटांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नंबर 18 के बेन्द्री स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजो सहित स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके उपरांत किसी दावा/ आपित्त पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. - केंद्री,
अभनपुर (छ.ग.)

प्रारूप - 37
(नियम 61 (3) देखिए)
मोटरयान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी को रद्दकरण के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभ्यर्पण करने और वित्तपोषक के नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की सूचना
(दो प्रतियों में, दूसरी प्रति नोटिस जारी करने पर वित्तपोषक को भेजी जावेगी

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी रायपुर सं. 217 तारीख 24/05/2024

श्री/श्रीमती / कुमारी **GOUKARAN PATEL, S/O- ANAND PATEL, SHITLA PARA WARD, HATKESAR, DHAMTARI (M), DIST-DHAMTARI (CG)- 493773** (रजिस्ट्रीकृत स्वामी) को यह सूचित किया है कि **TATA MOTORS FINANCE . LTD. Raipur** (वित्तपोषक) ने यह सूचित किया है कि उसने / उन्होंने उक्त करार उपबन्ध अधीन आपके व्यतिक्रम के कारण अवक्रय / आडमान / पट्टा करार अंतर्गत आने वाले मोटर यान जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या CG04NV8613 है, कब्जा ग्रहण कर लिया है और यह कि-

1. आपने उसे / उन्हें रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र देने से इंकार कर दिया है।

उसने / उन्होंने रजिस्ट्रीकृत प्रमाण पत्र रद्द करने और अपने नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने का अनुरोध किया है।

अतः आपको उक्त मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र अभ्यर्पित करने को निर्देश दिया जाता है, जिसे आपने कब्जा खो देने पर धारा 2(30) के अधीन स्वामित्व भी खो दिया है और इस बारे में आपका अभ्यावेदन, यदि कोई हो, तो इस नोटिस की आपके द्वारा प्राप्ति के सात दिन के भीतर इस कार्यालय को करने का निर्देश दिया जाता है। आपके असफल रहने पर धारा 51 (5) के अनुसार आपके द्वारा धारित रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र रद्द करते हुये वित्तपोषक के नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी कर दिया जाएगा।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, रायपुर

प्रारूप - 37
(नियम 61 (3) देखिए)
मोटरयान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी को रद्दकरण के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभ्यर्पण करने और वित्तपोषक के नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की सूचना
(दो प्रतियों में, दूसरी प्रति नोटिस जारी करने पर वित्तपोषक को भेजी जावेगी)

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी रायपुर सं. 218 तारीख 24/05/2024

श्री/श्रीमती/कुमारी **GANESH RAM, S/O- JUGUL RAM, KANAMUKA, PO KACHNA, KACHNA, DHAMTARI, DIST- DHAMTARI (CG)- 493770, MOB NO. 6263777669** (रजिस्ट्रीकृत स्वामी) को यह सूचित किया है कि TATA MOTORS FINANCE LTD, Raipur (वित्तपोषक) ने यह सूचित किया है कि उसने / उन्होंने उक्त करार उपबन्ध अधीन आपके व्यतिक्रम के कारण अवक्रय / आडमान / पट्टा करार अंतर्गत आने वाले मोटर यान जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या **CG04NJ5538** है, कब्जा ग्रहण कर लिया है और यह कि-

1. आपने उसे / उन्हें रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र देने से इंकार कर दिया है।

उसने / उन्होंने रजिस्ट्रीकृत प्रमाण पत्र रद्द करने और अपने नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने का अनुरोध किया है।

अतः आपको उक्त मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र अभ्यर्पित करने को निर्देश दिया जाता है, जिसे आपने कब्जा खो देने पर धारा 2(30) के अधीन स्वामित्व भी खो दिया है और इस बारे में आपका अभ्यावेदन, यदि कोई हो, तो इस नोटिस की आपके द्वारा प्राप्ति के सात दिन के भीतर इस कार्यालय को करने का निर्देश दिया जाता है। आपके असफल रहने पर धारा 51 (5) के अनुसार आपके द्वारा धारित रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र रद्द करते हुये वित्तपोषक के नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी कर दिया जाएगा।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, रायपुर

Health Town

मूत्र किडनी एवं प्रोस्टेट

समस्त किडनी रोग गुर्दा, नेफ्रोलाजी किडनी में सुजन दर्द पेशाब कम होना या रूकावट जलन, सिरम क्रियेटिनिन, यूरिक एसिड, यूरिया का बढ़ना पैरो या आंखो में सूजन अगर डायलिसिस में चल रहे हो या किडनी बदलने कि नौबत आ गई हो तो इस चिकित्सा से जीवन बच सकता है, यह चिकित्सा किडनी के नेफ्रान्स सेल को पुनः एक्टीवेट (रिजनरेट) अर्थात् फिर से जीवन प्रदान करता है यूरेथ्रास्ट्रेक्चर (मूत्र नली का सिकुड़न) पेशाब न उतरना, बूंद बूंद टपकना या बन्द होना, आपरेशन कि आवश्यकता नहीं होती एवं पेशाब में जलन, पीला लालिमा रहना या खून या मवाद आना। प्रोस्टेट विकार बार बार पेशाब होना, बूंद-बूंद या रूकना, इसके कारण सेक्स में आई कमजोरी। समय : 11 से 3 बजे तक

जीवन ज्योति क्लीनिक
डॉ. आर अग्रवाल (हर्बल मेडिसिन) नया बस स्टैण्ड के अंदर, गोलू पोहा जलेबी होटल के ऊपर शॉप नं. 25 पूर्व (छ.ग.)
स्थायी चिकित्सा परामर्श के लिए मिले मो. 7587099540 (आने से पहले फोन करें)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508133

Education Time

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"Education makes future better"
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN Nursery to 12th (Biology, Maths, Commerce) Register Now at www.mesraipur.com
Highlight: Spoken English & Personality Development Classes • Monthly Seminar • Transport & Surveillance Facility • Personal attention on each students • Discussion • Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.) Contact:- 07771-4000123

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio, Arts)
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN Nursery to 12th Register Now at www.rpsraipur.com
Silent Features: Extra curricular activities • Personal attention to each student Limited student in each class • Music, Dance, personality development classes • Yoga • Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur, (C.G.) Mo.:- 9589085558, 9329621721, Email:- rpsraipur123@gmail.com

Contact to Add Your School - 79871-19756

खबर संक्षेप

चैंबर की मांग पर जगदलपुर के लिए 1 जून से विमान सेवा

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की मांग पर जगदलपुर के लिए 1 जून से सीधी विमान सेवा शुरू होने जा रही है। इस सेवा के शुरू करने की पहल के लिए चैंबर के पदाधिकारियों ने नागरिक एवं उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति आभार व्यक्त किया है। चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी विक्रम सिंहदेव, परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से कहा है, प्रदेश के दूरस्थ अंचल में स्थित जगदलपुर का प्रदेश एवं अन्य राज्यों के साथ कनेक्टिविटी बढ़ेगी। बिलासपुर और रायपुर के बाद जगदलपुर के लिए टूरिज्म की संभावना काफी अधिक है, क्योंकि जगदलपुर प्राकृतिक और सांस्कृतिक विविधता से भरा हुआ है। बिलासपुर से जगदलपुर के लिए फ्लाइट शुरू होने से इसे बढ़ावा मिलना तय है।

बारूद फैक्ट्री विस्फोट, कांग्रेस ने बनाई जांच समिति

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बेमेतरा जिले में हुए बारूद फैक्ट्री ब्लास्ट हादसे पर जांच समिति का गठन किया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने पूर्व विधायक अनिता शर्मा के नेतृत्व में आठ-सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। जांच समिति के सदस्य प्रभावित स्थल का दौरा कर पीड़ितों के परिजनों सहित स्थानीय ग्रामवासियों से भेंट चर्चा कर घटना की वस्तुस्थिति से अवगत होकर अपना प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेंगे। समिति में आशीष छाबड़ा, महेंद्र छाबड़ा, सुबोध हरितवाल, विनोद तिवारी, उधोराम वर्मा और बंशी पटेल शामिल हैं।

बारूद फैक्ट्री हादसे के दोषियों पर हो कार्रवाई

रायपुर। बारूद फैक्ट्री हादसे में मृतकों प्रति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा, यह हादसा दुखद है। घटना के लिये जो भी दोषी हो, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिये। सरकार युद्ध स्तर पर वहां पर राहत एवं बचाव कार्य करे तथा गायब लोगों का पता लगाये। बारूद फैक्ट्री के लाइसेंस एवं सुरक्षा मानकों की कब-कब जांच की थी। घटना में मृतकों के लिए 50 लाख और घायलों के लिए 10 लाख मुआवजा एवं पर्याप्त चिकित्सा दी जाये।

झीरम घाटी के शहीदों को अर्पित की पुष्पांजलि

रायपुर। कांग्रेस असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ ने झीरम घाटी के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक ने कहा कि झीरम घाटी की घटना नक्सलियों की कायरता का परिचय है। घटना में शहीद हुए नेताओं व कार्यकर्ताओं की शहादत को सलाम है। हम सभी शहीदों के पदचिन्हों पर चलकर देश, प्रदेश व जनता के हित में कार्य करेंगे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से वरिष्ठ पार्षद एमआईसी मेंबर सुंदर जोगी, सचिव शब्बीर खान, नागेंद्र वोरा, आनंद पांचाल सहित अनेक लोग शामिल हुए।

हज यात्रियों को लगा दूसरे चरण का टीका

रायपुर। छत्तीसगढ़ से हज यात्रा-2024 पर जाने वालों को द्वितीय चरण का टीकाकरण सह-स्वास्थ्य शिविर शनिवार को जिला अस्पताल पंडरी में संपन्न हुआ। शिविर में कुल 31 हजयात्रियों को ओरल पोलियो, मेनिनजाइटिस एवं तीन को इंफ्लुएंजा वैक्सीन लगाई गई। साथ ही उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी के निर्देश पर आयोजित इस शिविर को जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. एसके भंडारी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. संजीव मेश्राम, चिकित्सक डॉ. निलय मोझरकर सहित अन्य चिकित्सकीय स्टाफ मौजूद थे।

सड़न से दांतों में होने वाले इंफेक्शन का बिना सर्जरी उपचार संभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नई पद्धति, शासकीय डेंटल कालेज के वरिष्ठ चिकित्सक ने कराया पेटेंट

बचपन में लगने वाली चोट अथवा सड़न की वजह से दांतों में होने वाले इंफेक्शन का उपचार अब बिना सर्जरी के संभव है। लंबे अध्ययन और अच्छी सफलता के बाद शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजीव कुन्हप्पन ने इलाज की नई पद्धति को पेटेंट कराया है।

राज्य के एकमात्र शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय के कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडॉन्टिक्स विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव ने बताया कि दांतों में किसी कारण चोट लगने या सड़न होने पर होने वाले इंफेक्शन, जिसको पेरी एपीकल लीजन कहा जाता है, यह धीरे-धीरे जबड़े की हड्डी में फैलने लगता है, जिसका सही समय पर उपचार न होने के वजह से हड्डी गलने लगती है। पूर्व में इसका उपचार सर्जरी द्वारा ही किया जाता था। ऑपरेशन की इस प्रक्रिया से मरीज को परेशानी होती थी। ऑपरेशन के दौरान अत्याधिक खून निकलना संक्रमित के साथ बगल वाले दांतों को भी बाहर निकलना पड़ता था। अब बिना सर्जरी के अत्याधुनिक पद्धति ट्रिपल एंटीबायोटिक पेस्ट व एमटीए का उपयोग करके रूट कैनाल ट्रीटमेंट से इलाज किया जाता है। उपचार की इस नई पद्धति की सफलता को जानने करीब पांच साल में डेढ़ सौ मरीजों का अध्ययन किया गया। इस तरीके से इलाज के लिए शासकीय डेंटल कालेज छत्तीसगढ़ ही नहीं, पूरे भारत में इस पद्धति से उपचार के लिए अपनी पहचान बना चुका है और दूर-दूर से मरीज इलाज के लिए यहां आते हैं। बिना सर्जरी के इस उपचार की सफल पद्धति की खोज डॉ. संजीव कुन्हप्पन द्वारा की गई है। इसे भारत सरकार के कार्यालय के माध्यम से डॉ संजीव द्वारा पेटेंट करा लिया गया है। इसे राज्य के एकमात्र शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय माना गया है।

निगम ने जिन नालों की सफाई करवाई, वहीं कई जगह जेसीबी उतारने जगह नहीं

नालों की सफाई करने एजेंसी तय, नालियों को साफ करेंगे निगम के 160 सफाईकर्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

प्री-मानसून को देखते हुए बिरगांव निगम ने भी लोगों को जलभराव से बचाने के लिए नालों की सफाई शुरू की है। इस बार भी चार नालों की सफाई पर करीब 20 लाख खर्च करने की तैयारी है। इसके लिए एजेंसी तय की गई है। 15 दिनों में निगम सीमा के 40 वार्डों की पानी निकासी को कनेक्ट करने वाले नालों की सफाई पूरी करने निर्देश दिया गया है। वहीं 40 वार्डों की बड़ी कनेक्टिंग नालियों की सफाई इस बार भी निगम के 160 कर्मचारियों के जिम्मे है।

बिरगांव निगम में कई ऐसे इलाके ऐसे हैं, जहां कर्मचारियों की कमी के कारण सफाई का बुरा हाल है। इसे देखते हुए दो साल से की जा रही सफाई कर्मियों की मांग अभी भी प्रक्रिया का हिस्सा बनी हुई है। इससे करीब डेढ लाख की आबादी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कनेक्टिंग नालियों की सफाई

निगम सूत्रों ने बताया कि इस बार भी वार्डों की सभी बड़ी नालियों की सफाई बरसात शुरू होने से पहले पूरा करने की तैयारी है। इस बार भी सफाई व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों के भरोसे ही सभी छोटी-बड़ी नालियों की सफाई करवाने की तैयारी है। अभी वर्तमान स्थिति में निगम के पास वार्डों की सफाई के लिए 160 कर्मचारी हैं। इसके चलते वार्डों में सामान्य दिनों में गंदगी का आलम रहता है। मेटल पार्क, मजदूर नगर , रावांभाठा में कई ऐसे इलाके हैं, जहां कुछ साल पहले खाली प्लाटों में पानी जाता था, अब लोगों ने मकान बनवा लिए और निगम नाली नहीं बनवा पाया है। इससे जलभराव की समस्या कई क्षेत्र में इस बार भी होगी।

अव्यवस्था की स्थिति बरसात में इस बार बढ़ने वाली है, क्योंकि मेटल पार्क, मजदूर नगर, उरकुरा में कई इलाकों में नालियों का निर्माण भी नहीं हुआ है। वहीं नालों की सफाई के लिए जिस एजेंसी को काम दिया गया है, वह जेसीबी और चेन माउंटेन के जरिए नालों की सफाई कर रही है। अभी तक सरोरा और उरकुरा के कुछ हिस्से की सफाई ही हो पाई है। उरकुरा में रेलवे की पटरी को नाले के पास से हटवाने के लिए एनओसी लेने की स्थिति है। वहीं सरोरा के मजदूर नगर वार्ड में नाले की अधूरी सफाई की जानकारी स्थानिय निवासी विनोद निषाद ने दी। बताया कि हर साल की सफाई में इसी तरह की खामी से वार्ड में जलभराव होता है।

रोज दो जेसीबी व चेन माउंटेन

निगम ने एजेंसी द्वारा उपयोग किए जा रहे दो जेसीबी व चेन माउंटेन की मदद से सरोरा व उरकुरा नाले की सफाई करवाई जा रही है। इसमें कई स्पाट पर संसाधन का उपयोग करना संभव नहीं है। इनके आसपास लोगों ने मकान बना लिया है। इसे देखते हुए हर साल होने वाली सफाई में कई हिस्से छूट जाते हैं। इनमें मजदूर नगर और मेटल पार्क नाला के साथ ही उरकुरा नाले की सफाई इस बार भी कई जगह अधूरी है। इसके चलते ही बरसात के दिनों में पानी मजदूर नगर बस्ती में आता है। इसी तरह की स्थिति उरकुरा में भी बनती है। इसके बाद भी जिम्मेदार एजेंसी से सिर्फ नालों की अधूरी सफाई करवा रहे हैं।

> **करवा रहे नालों की सफाई**
>
> इस बार भी 19 लाख से ज्यादा का टेंडर नालों की सफाई के लिए किया गया है। जिन स्थानों पर जेसीबी से सफाई संभव नहीं है, वहां कर्मचारी लगाएंगे। निगम के पास सफाई कर्मी कम हैं। 80 कर्मचारियों व वार्डों में अधूरी नालियों के लिए प्रस्ताव भेजा गया है।
>
> - मो. रियाज, अध्यक्ष
> स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, बिरगांव

> **हर साल होता है जलभराव**
>
> जिम्मेदार व्यवस्था दुरुस्त करने के बजाय इसे आधा-अधूरा करके नई मुसीबत पैदा कर रहे हैं। नालों की सफाई के बाद मलबे को वहीं छोड़ा जा रहा, इससे बारिश होने पर वह नालों में जाम होता है। इससे सफाई के लिए खर्च करने के बाद भी सुविधा नहीं मिलती।
>
> - ओमप्रकाश साहू
> नेता प्रतिपक्ष, नगर निगम, बिरगांव

गोवंश अभयारण्य योजना लाएगी प्रदेश सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सड़कों पर खुले में घूमने वाले स्वामी विहीन गोवंशों की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश की विष्णुदेस साय सरकार प्रदेश में गोवंश अभयारण्य योजना लाएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अधिकारियों को इस संदर्भ में कार्ययोजना बनाने के आवश्यक निर्देश दिए हैं।

प्रदेश में पशुधन विकास विभाग, पंचायत, राजस्व एवं वन विभाग के समन्वय से गोवंश अभयारण्य संचालित करने की योजना है। इस योजना के क्रियान्वयन से सड़कों पर भूखे-प्यासे भटकने वाले गोवंश को न केवल नियमित आहार मिल सकेगा वरन् उनकी उचित देखभाल और चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध होगी। गोवंश अभयारण्य पशुधन के लिए उचित रहवासी वातावरण से परिपूर्ण होगा।

■ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अधिकारियों को दिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश

गौरतलब है कि सड़कों पर घूम रहे स्वामी विहीन पशुधन न केवल यातायात के लिए बाधा बन रहे हैं, बल्कि आए दिन दुर्घटनाओं का कारण भी बनते हैं। भूख से बेहाल पशुधन द्वारा कूड़ा-कचरा एवं प्लास्टिक खाने से उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। गोवंश अभयारण्य योजना इसे रोकने की दिशा में सकारात्मक कदम साबित होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, ठोस कार्ययोजना के माध्यम से भ्रष्टाचार मुक्त, सेवा, सुरक्षा और संवर्धन का ध्येय वाक्य ले कर प्रदेश में स्वामी विहीन पशुधन के लिए गोवंश अभयारण्य की रूप रेखा बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। प्रस्तावित योजना लागू होने पर न केवल सड़कों पर भूखे-प्यासे भटकने वाले गोवंशों को नियमित आहार, देखभाल और चिकित्सकीय सुविधा मिलेगी बल्कि दुर्घटनाओं पर भी लगाम लगेगी।

झीरम कांड पर बोले बघेल- 11 साल बाद भी पीड़ितों को नहीं मिला न्याय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि झीरम हमले के 11 साल पूरे होने को हैं, लेकिन पीड़ितों को न्याय नहीं मिला है। भाजपा सरकार ने हमेशा झीरम की जांच को रोकने का प्रयास किया है। हमने कई बार एनआईए से झीरम की जांच के लिए फाइल सौंपने कहा था। तत्कालीन लोगों की भूमिका थी, इसलिए जांच होने नहीं दी थी। जेब में सबूत रखने के बयान पर भूपेश बघेल ने कहा, विजय शर्मा सत्ता में बैठे हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि किसी के गिरेहबान में हाथ डालने का अधिकार मिल गया है। उन्होंने कहा, केंद्र में हमारी सरकार बनने जा रही है, उसके बाद एनआईए सही दिशा में जांच करेगी। चार जून तक प्रतीक्षा करिए। उसके बाद हमारी सरकार सभी चीजों को स्पष्ट कर देगी।

झीरम के शहीदों को श्रद्धांजलि

झीरम हमले की 11वीं बरसी पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में झीरम के शहीदों के लिये श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। झीरम के शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। झीरम के शहीदों को याद करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, कांग्रेस झीरम के शहीदों की ऋणी है।

कांग्रेस स्पष्ट करे नक्सलवाद का खात्मा चाहती है या नहीं : शिवरतन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा, कांग्रेस स्पष्ट करे कि वह नक्सलवाद का खात्मा चाहती है या नहीं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नक्सल मामले में बयान को बेहद शर्मनाक बताते हुए श्री शर्मा ने कहा, ऐसे दिन, जब कांग्रेस से ही जुड़े प्रदेश के अनेक नेता नक्सल हमले में दिवंगत हुए थे, उसी दिन कांग्रेस अध्यक्ष नक्सलियों के समर्थन में बयान देते हैं। श्री शर्मा ने एकात्म परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, अभी छत्तीसगढ़ सबसे बड़ी लड़ाई नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ रहा है। सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता भी मिल रही है। डेढ़ माह में 112 से अधिक नक्सली मारे गए हैं, सैकड़ों गिरफ्तार हुए हैं, बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं।

पीडिया मुठभेड़ की जांच हाईकोर्ट के जज की निगरानी में कराई जाए

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, बीजापुर के पीडिया में विगत दिनों सुरक्षा बलों एवं नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर सामने आई थी। 10 मई को हुई इस मुठभेड़ में 12 लोगो की मौत तथा इस घटना में 6 लोग घायल हुये। घटना के संबंध में पुलिस का दावा था कि मारे गये सभी लोग नक्सली थे। घटना के बाद ग्राम पीडिया और ईतवार के ग्रामीणों का कहना है कि घटना में मारे गये सभी लोग नक्सली नहीं थे। ग्रामीणों के इस दावे के बाद प्रदेश कांग्रेस ने घटना की वस्तुस्थिति जानने एक जांच दल का गठन किया था। जांच दल ने ग्रामीणों से बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी एकत्र की। कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में संवाददाताओं से चर्चा में उन्होंने बताया कि 16 मई को पीडिया जांच दल के संयोजक संतराम नेताम, सदस्य विधायक इन्द्रशाह मंडावी, विक्रम मंडावी, जनकलाल ध्रुव, सावित्री मंडावी, रजनू नेताम, शंकर कुडियम एवं छविन्द्र कर्मा ने पीड़ित परिवार के परिजन सुक्की कुंजाम, ललिता, अवलम समली, बुधरू राम बारसे, पोदिया, बोदे से अलग-अलग पूछताछ कर बयान लिया। ग्रामीणों ने बताया कि पीडिया नक्सली मुठभेड़ में मल्लेपल्ली निवासी बुधू ओयाम, पालनार निवासी कल्लू पुनेम, ईतावार निवासी-लक्खे कुजाम, उण्डा छोटू, उरसा छोटू सुक्कू ताती, चैतू कुंजाम, सुनीता कुंजाम, जागो बरसी, पीडिया निवासी सन्नू अवलम, भीमा ओयाम, ढुला तामो को पुलिस ने नक्सली बताकर मार दिया।

नाला सफाई के लिए किराए के पोकलेन ढूंढ रहा निगम, अब तक वर्कआर्डर नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर में बड़े नालों की बरसात पूर्व सफाई को लेकर नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग सुस्ती बरत रहा है। नगर निगम के 10 में से 4 जोन ऐसे हैं, जहां बड़े नालों की सफाई के लिए पोकलेन मशीन की जरूरत है। संबंधित जोन द्वारा इसकी डिमांड भी निगम मुख्यालय में बैठे स्वास्थ्य अधिकारी से की गई, पर अब तक संबंधित जोन में पोकलेन मशीन उपलब्ध नहीं करा पाये। इससे शहर के बड़े नालों की सफाई प्रभावित हो रही है। नगर निगम के पास केवल 2 पोकलेन मशीन है जो शहर में बड़े नालों की संख्या और शहर की जरूरत हिसाब से कम है। इसीलिए हर साल किराये के पोकलेन लगाकर नालों की सफाई करानी पड़ती है।

मानसून आने से पहले शहर के बड़े नालों की सफाई कराने में निगम का पसीना छूट रहा है। नगर निगम के पास पोकलेन मशीन की कमी के कारण जोन 1, जोन 2, जोन 3 और जोन 4 के बड़े नालों की समय पूर्व सफाई में अड़चन आ रही है। जोन 3 के कमिश्नर ने निगम मुख्यालय से नाला सफाई के लिए पोकलेन मशीन उपलब्ध कराने आग्रह किया है, पर स्वास्थ्य विभाग इसलिए अब तक पोकलेन मशीन उपलब्ध नहीं करा पाया, क्योंकि निगम के पास मौजूद 2 पोकलेन मशीन पहले ही दूसरे जोन के नाला सफाई में लगी हुई है। सूत्रों के मुताबिक लोकसभा चुनाव से पहले किराये की पोकलेन मशीन के लिए मुख्यालय से टेंडर किया गया था, जिसमे आधा दर्जन ठेकेदारों ने निविदा भरी, पर आज तक इसके लिए वर्कआर्डर नहीं हो पाया है। इससे जोन 3 व जोन 2 के बड़े नालों की सफाई का कार्य नहीं हो पाया।

10 दिन के किराये की मशीन चाह रहे अधिकारी

शहर के बड़े नालों की बरसात पूर्व सफाई कराने नगर निगम इस बार भी किराये की पोकलेन मशीन के भरोसे है। निगम के आला अधिकारी केवल 10 दिन के लिए किराये की पोकलेन मशीन चाहते हैं, जिसमें शहरभर के बड़े नालों की सफाई हो सके, जबकि मानसून आने में ज्यादा दिन नहीं रह गये।

मुख्य चुनाव अधिकारी मगेलाल मालू ने जारी किया पूरा कार्यक्रम

सराफा चुनाव के लिए मतदाता सूची का प्रकाशन 28 को, मतदान 23 जून को रायपुर में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सराफा चुनाव को लेकर बीते पांच माह से चल रहे विवाद के बाद अंततः अब जाकर दो साल विलंब से सराफा चुनाव का कार्यक्रम तय हो गया है। मुख्य चुनाव अधिकारी मगेलाल मालू ने शनिवार को पूरा कार्यक्रम जारी किया है। 28 मई को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन होगा, इसी के साथ चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। 23 जून को रायपुर में मतदान होगा। तीन पदों अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष के लिए चुनाव होगा।

सराफा एसोसिएशन का पिछला चुनाव 2019 में हुआ था। इसके तीन साल बाद चुनाव 2022 में होना था, लेकिन किसी न किसी कारणवश चुनाव टलता रहा। इसको लेकर लगातार विवाद भी हुआ। 7 जनवरी को रायपुर में आमसभा के बाद एक माह में चुनाव कराने का फैसला हुआ था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। लोकसभा चुनाव के कारण चुनाव को फिर से टाल दिया गया, लेकिन अब जाकर चुनाव की तिथि तय हो गई है। तय कार्यक्रम के मुताबिक 28 मई को मतदाता सूची का प्रारंभिक

प्रकाशन होगा। इसके बाद तक त्रुटि सुधार के बाद 3 जून को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

पांच जून से नामांकन

तीन पदों के लिए 5 से 7 जून तक नामांकन पत्र प्राप्त होंगे और 8 जून तक जमा होंगे। 10 जून को नामांकन पत्रों की जांच और 11 जून को नाम वापसी होगी। 12 जून को प्रत्याशियों की अंतिम सूची तय करने के बाद अगले दिन 13 जून को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह दिया जाएगा। प्रत्याशियों को दस दिनों का समय प्रचार के लिए मिलेगा, इसके बाद 23 जून को पुजारी पार्क मानस भवन में सुबह 10.30 बजे से दोपहर दो बजे तक मतदान होगा। मतदान के दो घंटों के बाद मतगणना होगी।

दस सहायक चुनाव अधिकारी भी तय

चुनाव कराने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी मगेलाल मालू के साथ दस सहायक चुनाव अधिकारी बनाए गए हैं। इसमें रायपुर के प्रकाश गोलछा, धरमचंद भंसाली, राजेंद्र शर्मा, अनिल कुचेरिया, राजनांदगांव के उमेदचंद कोठारी, दुर्ग के ताराचंद कांकरिया, बिलासपुर के पंकज पारख, रायगढ़ के श्याम अग्रवाल, जगदलपुर के सतीश सूर्यवंशी और अंबिकापुर के राजेश सोनी शामिल हैं।

हरिभूमि

रायपुर, रविवार 26 मई 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

लाइव इवेंट

औषधीय पौधों के अनुसंधान में चुनौतियों पर शोधकर्ताओं ने अनुभव किया साझा

रायपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने को जैव विज्ञान और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा औषधीय पौधों के उपचारात्मक प्रभावों की खोज विषय पर एक व्यावहारिक संगोष्ठी की मेजबानी की। इस कार्यक्रम के द्वारा पारंपरिक चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों और छात्रों को औषधीय पौधों की चिकित्सकीय क्षमता का पता लगाने के लिए एक साथ लाया गया। इस आयोजन ने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक जांच के साथ मिला दिया। सेमिनार की शुरुआत बायोसाइंस और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख डॉ. रुकमणकेश के भाषण से हुई। इस कार्यक्रम के आयोजन में आईआईटी के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश का महत्वपूर्ण योगदान रहा। ज्ञानवर्धक वार्ताओं के अलावा, प्रोफेसर प्रकाश ने अंत में एक इंटरैक्टिव सत्र का संचालन किया। चिकित्सकों और शोधकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए और औषधीय पौधों के अनुसंधान में चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की। प्रोफेसर प्रकाश ने टीमों का गठन करके सत्र का समापन किया जो भवष्यि में होने वाली कार्यवाई पर काम करेंगी।

औषधीय पौधों का बताया महत्व

उन्होंने दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में पारंपरिक औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इन पौधों को आधुनिक चिकित्सा में प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए पारंपरिक ज्ञान के वैज्ञानिक सत्यापन की आवश्यकता पर बल दिया। इस संगोष्ठी में पारंपरिक ज्ञान और अनुसंधान गतिविधियों की कई प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। जिसमें मेंटल हेल्थ के संवर्धन, सुरक्षा और आजीविका प्रबंधन और छत्तीसगढ़ राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य परंपरा के विकास के लिए प्राचीन आयुर्वेदिक अमृत का अनावरण करने के लिए अष्टांग घृत का प्रभाव भी शामिल था। इस सेमिनार का मुख्य आकर्षण आईआईटी भिलाई और छत्तीसगढ़ राज्य लघु वन उपज महासंघ लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन ;एमओयू पर हस्ताक्षर करना था। इस एमओयू का उद्देश्य औषधीय पौधों के अनुसंधान, संरक्षण और सतत उपयोग पर सहयोग प्रदान करना है। यह संयुक्त प्रयासों और संसाधन साझाकरण के माध्यम से इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

सिटी इवेंट

समर कैंप में नृत्य और योग से बच्चे कर रहे शारीरिक-बौद्धिक विकास

रायपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेजबहार संकुल के अंतर्गत प्राथमिक, मिडिल व हायर सेकेंडरी शाला में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए 20 मई से 1 जून तक सुबह 7 से 10 बजे तक समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस समर कैंप में चित्रकारी, गायन, वादन, नृत्य, योग, खेलकूद, स्पोकन इंग्लिश, कंप्यूटर संबंधी ज्ञान, मेहंदी, रंगोली जैसी अन्य रचनात्मक गतिविधियां छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित की जा रही हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के संभागीय संयुक्त संचालक रायपुर राकेश कुमार पांडे एवं जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर डॉ. विजय कुमार खंडेलवाल द्वारा समर कैंप का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बच्चों को समर कैंप में आने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर शाला की प्रभारी प्राचार्य ज्योत्सना राजपूत, संकुल समन्वयक हरीश कुमार ध्रुववंशी, समस्त शालेय स्टाफ एवं प्रभारी प्रशिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही। डांस प्रशिक्षण कुमारी युक्ति साहू सेजबहार फेस-2 द्वारा दिया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व तैयारी शुरू

रायपुर। भारतीय योग संस्थान द्वारा दो दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। स्वर्णभूमि में मधुमेह रोग निवारण शिविर की शुरुआत शनिवार से की गई। शिविर में विभिन्न आसनों की जानकारी दी गई, जिसमें मंजू, लता, आनंद आहूजा, राजेंद्र, सुदेश ने प्रशिक्षण दिया। इस दौरान जीवन में योग के महत्व को बताया गया, साथ ही मधुमेह रोग निवारण के लिए योग के विभिन्न आसनों की जानकारी दी गई। शिविर के अवसर पर योग में ध्यान की भूमिका की जानकारी अशोक गुप्ता ने दी, जिन्होंने अपने संबोधन में विभिन्न बिंदुओं को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में मुकेश सोनी ने विभिन्न बंधों और आसनों के द्वारा मधुमेह रोग और उपचार की जानकारी दी, जिसमें रोजाना 20 से 30 मिनट योग करने के लाभ को बताया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व संस्थान द्वारा कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है, इस मौके पर भव्य आयोजन किया जाना है।

तेरा बज्ज मुझे जीने ना दे...आस्था की दिलकश आवाज पर नॉन स्टॉप 3 घंटे झूमे स्टूडेंट्स

आंजनेय यूनिवर्सिटी में चल रहे 2 दिवसीय के एनुअल फेस्ट का समापन बॉलीवुड नाइट से हुआ। बॉलीवुड की मशहूर गायिका आस्था गिल ने अपने कई गानों से सभी को झुमाया। डीजे वाले बाबू, नागिन, सांवरिया, पानी पानी, हिलें टूट गई, कमरिया, तेरा बज मुझे जीने ना दे... गानों में कॉलेज परिसर शोर से हिल उठा।आस्था की लाइव प्रस्तुति ने सभी का दिल जीत लिया।

एनुअल फेस्ट में सिंगर आस्था गिल ने दी लाइव प्रस्तुति

रायपुर। बॉलीवुड के एक से बढ़कर एक गाने सुनाकर छात्र-छात्राओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। जब आस्था गिल ने अपने गीतों की लड़ी में "अभी तो पार्टी शुरू हुई है" गाने की प्रस्तुति तो शोर एक बार फिर तेज हो गया। तीन घंटे चले कार्यक्रम में युवाओं ने जमकर डांस किया। इस बीच आस्था ने अपने हिट गानों की प्रस्तुति से सभी को खुद नचाया।

फरमाइशों गानों पर नहीं किया निराश

लाइव कंसर्ट में बड़ी संख्या में कॉलेज के युवाआ पहुंचे हुए थे। कार्यक्रम में जब आस्था ने कहा कि अब 10 मिनट के बाद कंसर्ट खत्म होगा तो युवाओं के बीच फरमाइशी गीतों की मांग शुरूहो गई है। इस पर आस्था ने अपने फैंस को उनकी फरमाइशी गाने दोबारा गाकर उन्हें खुश कर दिया। अपने हिट गानों की प्रस्तुति से सभी को खुश कर दिया। कार्यक्रम में देर रात तक स्टूडेंट्स आस्था की आवाज पर झूमते रहे।

तीन घंटे नॉन स्टॉप दी प्रस्तुति

कार्यक्रम में बालीवुड गिल ने अपने फेमस गीत डीजे वाले बाबू मेरा गाना चला दे. से कार्यक्रम की शुरुआत की। गिल के गीत पर पांडाल में मौजूद छात्र-छात्राएं जमकर थिरके। आस्था गिल ने तेरा बज मुझे जीने न दे.. एक से बढ़कर एक गीत गाए। गाने पर हर कोई थिरक उठा। आस्था ने पब्लिक डिमांड पर गाने भी सुनाए और सुनने वालों को अपने साथ गाने को भी कहा। इसके बाद के गानों में श्रोता उनका पूरा साथ देते रहे। आस्था ने नागिन धिन धिन..,आज की रात..,गर्मी गर्मी..,शेप ऑफ यू..,तेरा बज मुझे जीने ना दे..,डीजे वाले बाबू मेरा गाना बजा दो..,जैसे गानों से मनोरंजन किया।

बुरे वक्त में बादशाह ने भाई बनकर बढ़ाया था हौसला

लाइव प्रस्तुति से पहले सिंगर आस्था गिल ने प्रेसवार्ता में बताया कि छत्तीसगढ़ आकर मुझे काफी अच्छा लग रहा है। कुछ दिनों बाद मेरा क्लासिकल गाना लोगों के बीच आने वाला है, जो सभी के लिए सरप्राइज है। मुझे रोजाना कुछ नया सीखना बहुत पसंद है। लोग मेरा गाना पसंद करते हैं, लेकिन मुझे पिता के सामने गाना गाने से डर लगता है। कुछ दिनों बाद मैं यूके में लाइव कॉन्सर्ट करने जा रही हूं, यह मेरा पहला अनुभव होगा। संगीत की दुनिया में सुनिधि चौहान मेरी आइडल हैं। बुरे वक्त में मोटिवेशनल के तौर पर बादशाह भाई ने हमेशा साथ दिया।

पढ़ाई के साथ मनोरंजन भी

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा फैशन शो का आयोजन किया गया। वेस्टर्न लुक के साथ छात्र-छात्राओं ने वॉक किया। 30 मिनट तक आयोजित फैशन शो में परिजनों का उत्साह देखते ही बन रहा था। आस्था गिल के कार्यक्रम से पहले विश्वविद्यालय के छात्रों ने हिंदी और इंग्लिश गानों की प्रस्तुति दी। कॉलेज के चांसलर ने कहा, यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए आयोजित है। लगातार पढ़ाई करने के साथ ही मनोरंजन भी जरूरी है।

एग्जीबिशन में लद्दाख से लेकर पंजाब तक का पहुंचा फैशन

समर कलेक्शन में हैंडवर्क ड्रेस महिलाओं की पहली पसंद

रायपुर। शहर स्थित निजी होटल में सूत्रा द्वारा तीन दिवसीय प्रदर्शनी लगाई गई है। जहां समर सीजन संबंधी वस्तुओं को शामिल किया गया है। इसमें भारतीय परिधान, वेस्टर्न ड्रेस, ज्वेलरी, साज-सज्जा एवं डेकोरेटिव वस्तुओं को लाया गया है। इस दौरान देशभर से विभिन्न स्थानों से अनुभवी डिजाइनरों ने हिस्सा लिया है, जिसमें हैंडवर्क ड्रेस लोगों की पहली पसंद है। मुख्य रूप से महिलाओं के लिए आयोजित प्रदर्शनी में हैंगर ट्रेल मुंबई, डिजाइनर डिलाइट, द क्लॉथिंग पैलेट मुंबई, सरिता क्रिएशन्स, लखनऊ कुर्ती और प्लाजो, रंजस हार्मनी, अंजना संग्रह, फैशन का रुझान, आमंत्रण ज्वेलर्स के स्टॉल सजाए गए हैं।

राजवाड़ी ज्वेलरी की डिमांड

तीन दिवसीय एग्जीबिशन का समापन 26 मई को होना है। जहां हैंडमेड वस्तुओं की डिमांड सबसे अधिक है, इसमें साड़ी, लहंगा, कुर्ती और वेस्टर्न ड्रेस शामिल है। समर सीजन के लिए डिजाइनर कुर्ती उपलब्ध है, जिसकी कीमत 500 से शुरू है। प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र राजवाड़ी कुंदन और पोलकी की ज्वेलरी है, इसमें माथ टीका, रिंग, कंगन, ईयररिंग, चोकर, नेकलेस शामिल हैं। इसकी कीमत 200 से शुरू होकर 2 से 3 हजार तक है।

यूपीएससी के लिए निशुल्क मॉक टेस्ट आज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन रायपुर रविवार को यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2024 के लिए निशुल्क मॉक टेस्ट का आयोजन किया गया है, जिसके लिए 485 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है। दो पालियों में यह परीक्षा होगी। यह मॉक टेस्ट ऑफलाइन होगा। युवाओं को वास्तविक परीक्षा के अनुभव के लिए ऑनलाइन के जगह ऑफलाइन मॉक टेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। मॉक टेस्ट का प्रश्नपत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगा।

घर में गार्डनिंग करने कार्यशाला आज

रायपुर। पंडरी बस स्टैंड स्थित जागृति मंडल में शाक वाटिका कार्यशाला का आयोजन रविवार को किया गया है। कार्यशाला का आयोजन सुबह 10 से शाम 4 बजे तक किया जाएगा, जिसमें घर की बाड़ी, छत पर विषमुक्त साग-सब्जियों को लगाने व परिवार को सैकड़ों बीमारियों से बचाने के बारे में जानकारी दी जाएगी। यह प्रशिक्षण निशुल्क होगा और पूर्व पंजीयन आवश्यक है। केंद्रीय प्रशिक्षण प्रमुख केईएन राघवन द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह कार्यक्रम गौसेवा गतिविधि द्वारा आयोजित की गई है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए मो. नंबर 94252-13065 में नाम, पते और मोबाइल नंबर भेजकर पंजीयन करा सकते हैं।

रोटरी द्वारा कॅरियर काउंसिलिंग में 12वीं के बाद विषय चुनने लिया मार्गदर्शन

शहर से दूर जाकर पढ़ाई करना जरूरी नहीं, यहां कॉलेज में सभी फील्ड का मिल सकता है पसंदीदा कोर्स

कार्नर न्यूज

रायपुर। कॅरियर चुनते समय आपका व्यक्तित्व अहम भूमिका निभाता है, इसलिए करियर ऐसा चुनें, जो आपके व्यक्तित्व के साथ-साथ आपकी रुचि के अनुकूल हो और इसके लिए आपको अपने बारे में, अचेतन प्रेरणाओं तथा अपनी व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के बारे में पता होना चाहिए। उक्त उद्गार के साथ कॅरियर काउंसलर विकास वर्मा ने रोटरी क्लब ऑफ रायपुर द्वारा आयोजित कॅरियर काउंसिलिंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमलीडीह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। काउंसलर ने बताया कि हर साल बारहवीं के बाद कॅरियर संवारने के सैकड़ों, हजारों मौके हमारे पास आते हैं, लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि अक्सर हमारी काबिलियत क्या है। हम क्या और किस क्षेत्र में बेहतर कर सकते हैं। हमारे लिए कौन सा विषय अच्छा रहेगा। हम किस तरह अपनी रुचि के विषय को अपने ड्रीम कॅरियर तक पहुंचने का जरिया बना सकते हैं। रोटरी क्लब अध्यक्ष प्रदीप गोविंद शितूत ने बताया कि छात्रों की जिज्ञासा को शांत करते हुए विकास वर्मा ने उनके सभी प्रश्नों के उतर दिए।

कॅरियर ओरिएंटेड स्टडी पर करें फोकस

छात्रों को बताया गया कि हमें बारहवीं के बाद तुरंत ही अगर कुछ अच्छा कॅरियर पाना है तो हम कॅरियर ओरिएंटेड स्टडी पर फोकस करें। ध्यान रखें कि हम डॉक्टर बनना चाहते हैं या आर्किटेक्ट, डिफेंस सर्विसेज में जाना चाहते हैं या सिविल सर्विसेज में अपना भविष्य तलाशना चाहते हैं, सभी के लिए हमें एक अच्छे से इंस्टिट्यूट और कोर्स में एडमिशन लेना होगा। यहां ध्यान देने की जरूरत है कि इंजीनियरिंग, लॉ, फैशन डिजाइनिंग, आर्किटेक्चर, मैनेजमेंट, सोशल साइंसेज, मेडिकल और मैथ्स, स्थेटिक्स, एग्रीकल्चर, इकोनॉमिक्स तथा साइंस आदि विषयों में देशभर में अलग-अलग तरह के टेस्ट होते हैं। इनमें अच्छा स्कोर करने से ही हमें अपनी पसंद के किसी अच्छे कॉलेज या यूनिवर्सिटी में एडमिशन मिल सकता है।

क्वालिफाई नहीं हुए तो दुखी होने की जरूरत नहीं

एक बात यह भी है कि बारहवीं के बाद एविएशन हास्पिटैलिटी, रिटेल बिजनेस, सेक्रेट्रियल प्रैक्टिस एंड ऑफिस मैनेजमेंट, वोकेशनल एजुकेशन जैसे ऑपशन्स भी करियर के नए और अच्छे विकल्प खोलते हैं। हमारे आसपास ही कई इंस्टिट्यूट होते हैं, जो इस तरह के सब्जेक्ट्स में स्टडीज के ऑपशन्स देते हैं, इसलिए यह कतई जरूरी नहीं कि अब आपको कुछ नया कोर्स करने के लिए अपने कस्बे या शहर से बहुत दूर जाकर ही पढ़ाई करने की जरूरत है। आसपास के कॉलेज या यूनिवर्सिटी में जाकर आप पता करेंगे तो वहां पर भी आपकी पसंद का कोई अच्छा कोर्स आपको मिल सकता है। एक बात और ध्यान रखें कि अगर बारहवीं के दौरान कोई अच्छा टेस्ट आप क्वालिफाई नहीं कर पाए तो इसके लिए दुखी होने की जरूरत नहीं।

सिटी इवेंट

महिलाओं ने सीखे व्यक्तिगत विकास के गुण, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर प्रशिक्षण

रायपुर। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज ने 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं तथा युवतियों के लिए आत्मसंवर्धन, व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व गुणों पर केंद्रित एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय प्राइम ट्रेनर राजेश अग्रवाल ने उदाहरण देकर बताया, ताकि संचार में सुधार करने और मजबूत नेतृत्व कौशल विकसित करने में मदद मिल सके। प्रशिक्षण में व्यक्तिगत विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा की गई, जिसमें आत्मप्रस्तुति, प्रभावी संचार और नेतृत्व विकास शामिल थे। प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास बढ़ाने, संचार कौशल को बढ़ाने और नेतृत्व गुणों को विकसित करने के लिए मूल्यवान तकनीकों को सीखा। इसके अतिरिक्त, सत्र ने संतुलित जीवन प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें छह प्रमुख क्षेत्रों परिवार, सामाजिक जीवन, मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिरता और आध्यात्मिक कल्याण को संबोधित किया गया।

निवेश करने का बताया नियम

इस व्यापक दृष्टिकोण ने प्रतिभागियों के व्यक्तिगत पर 360° दृष्टिकोण प्रदान किया। यह आयोजन महिलाओं और लड़कियों के लिए अपने व्यक्तिगत और व्यवसायी जीवन में निवेश करने का एक शानदार अवसर था। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एमएस मिश्रा, चैप्टर इंचार्ज जेसी ऋषि पांडे और प्रेसिडेंट फरजान सिद्दीक, आईपीपी जेसी कृति अग्रवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस प्रोग्राम में प्रोग्राम डायरेक्टर के रूप में जेसी जस्कृत भाटिया, कशिश राउत थे।

सिटी लाइव

सौम्या ने रंगों में पिरोया पर्यावरण संरक्षण, पोस्टर से दिया संदेश

रायपुर। अग्रसेन महाविद्यालय में चल रही ग्रीष्मकालीन कक्षाओं के साथ-साथ हर हफ्ते विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को पोस्टर मेकिंग स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में पर्यावरण संरक्षण की थीम पर सभी प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक पोस्टर बनाए। धरती को बचाने से लेकर जलस्रोतों को सुरक्षित रखने तथा हवा, मिट्टी और पर्यावरण से संबंधित विभिन्न संदेशों को उभारने वाले पोस्टरों के जरिये प्रतिभागियों ने अपना संदेश स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। रंग संयोजन और विषय की प्रस्तुति के आधार निर्णायक डॉ. शोभा अग्रवाल व प्रो. ऋतुलता तारक ने सौम्या चौधरी को विजेता और भव्यता जैन को उपविजेता घोषित किया। विजेताओं को आगामी समारोह में पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

छुट्टियों का कर रहे सदुपयोग

महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. वीके अग्रवाल ने कहा कि अग्रसेन महाविद्यालय उभरती प्रतिभाओं को तराशने में हमेशा से ही समर्पित रहा है। समिति के सचिव एवं महाविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि ग्रीष्मकालीन कक्षाओं के जरिये युवाओं को छुट्टी के समय का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस पहल को सभी वर्गों से सराहना मिल रही है। प्राचार्य डॉ. युलेंद्र कुमार राजपूत ने कहा कि महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के साथ ही रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रयास निरंतर किया जाता है।

समाज इवेंट

बीमारी से बचने वाटर टैंक की सफाई जरूरी, संस्था आधे घंटे में करेगी क्लीन

रायपुर। दूषित जल निगम के नल से ही नहीं, आपके मकान में लगे वाटर टैंक से भी पहुंच सकता है। इससे कई तरह की बीमारियां होने पर इलाज के लिए अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इसके बाद भी लोग निगम व प्रशासन को गंदे पानी के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं, पर खुद घर के वाटर टैंक की सफाई नहीं कराते हैं। खुद की खामियों को छिपाने और सेहत के अनुरूप पेयजल का उपयोग करने के लिए घर में आरओ वाटर प्यूरीफायर लगवा लेते हैं। इसके बाद भी बैक्टीरिया पानी के जरिए शरीर में पहुंचता है। इसे लोग काई के रूप में देखने के बाद टैंक की सफाई कराते हैं, तब तक दूषित जल के कारण परिवार के कई लोग बीमारी की चपेट में चले जाते हैं। यह बात शनिवार को पत्रकारवार्ता में सफाई किंग संस्था के गौतम झा ने कही।

हर तीन महीने में कराएं सफाई

आस्था झा ने बताया कि जिस प्रकार हम रोज अपनी दिनचर्या के लिए समय निकालते हैं। उसी तरह हमें हर 3 महीने में अपने पानी टंकी की स्थिति भी जानते रहना चाहिए। हम इतना भी नहीं करना चाहते हैं तो कम से कम साल में एक बार पानी टंकी की सफाई तय करनी चाहिए। यह काम हम खुद आधे घंटे में कर सकते हैं। पानी टंकी की सफाई नहीं करते हैं तो दूषित जल से फैलने वाली बीमारियों से परेशान रहेंगे। वाटर टैंक सफाई के लिए हमारी संस्था काम भी करती है।

खाली पेट धूप में निकलने से बचे व खुद को कपड़े से कवर करके बाहर जाएं

बाहर निकलने से पहले एसी बंद कर पंखे की हवा में बिताएं 7 मिनट, टलेगा हीट स्ट्रोक का खतरा

> धूप में खाली पेट घर से बाहर न निकलें। धूप में यहां-वहां आने-जाने वाले लोगों को नौतपा में खुद का केयर करना होगा। ऐसे लोगों को ठंडा पानी ज्यादा पीना चाहिए। धूप से आने के बाद सिधे ठंडे कमरे में जाने से बचें। इसमें लापरवाही करने से भी गर्मी में तबियत बिगड़ सकती है। घर के लोगों को नौतपा में छोटे बच्चों का विशेष ध्यान देना चाहिए। उनको बाहर से कोलड्रिंग, आइसक्रीम जैसी चीजे दिलाने की बजाय छाछ,दही, नारियल पानी पिलाना चाहिए। इससे गर्मी में शरीर का तापमान बना रहेगा। इस तरह से खुद को लू से बचा सकते हैं।

रायपुर। नौतपा शुरू होने से पहले ही लोगों ने एक्सपर्ट की सलाह लेनी शुरू की है। शहरी इलाके में रहने वाले लोग सरकारी अस्पतालों में एक्सपर्ट से भीषण गर्मी में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों का केयर कैसे करें, इसके लिए सलाह भी ले रहे हैं। इसे देखते हुए जिंदगी लाइव की टीम ने एलोपैथी व आयुर्वेद चिकित्सकों से तेज लू में निकलते समय किस तरह की सावधानी रखनी चाहिए। इसमें हर वर्ग के लोगों को किस तरह से खुद का और अपनों का बचाव कर सकते हैं। अंबेडकर अस्पताल के प्रो. राजीव लोचन खरे, लोगों को धूप में निकलने से पहले खुद को कपड़े से कवर करने और भरपूर ठंडे पानी का उपयोग करने की सिख देते हैं। बच्चों व बुजुर्गों को दिन में दो बार ओआरएस का घोल जरूर पिलाएं। इसके साथ ही समय-समय पर नीबू का शरबत और छाछ का भी सेवन करें। धूप में घूमने वाले इसका सेवन नियमित करें।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आकाश लालवानी बच्चों को ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन से बचाने के लिए ओआरएस घोल का उपयोग गर्मी के दिनों में दो बार करने की सलाह देते हैं। इसके साथ ही स्कूल जाने वाले बच्चों को मार्केट में मिलने वाले पैकिंग प्रोडक्ट को खिलाने से बचना चाहिए। संभव हो तो शरीर से कमजोर बच्चों को दिनभर में एक नारियल पानी पिलाए। किसी भी वर्ग के लोगों को गर्मी में मैदा व बेसन से बने प्रोडक्ट को खाने से बचना चाहिए। इसकी जगह लोग छाछ, लस्सी, जूस का सेवन कर सकते हैं। इससे धूप में भी शरीर का संतुलन बना रहेगा। डिहाइड्रेशन की स्थिति में बार-बार पेशाब आना, गहरा पीला यूरिन, मुंह सूखना और चक्कर आने की शिकायत होगी।

नीबू पानी, लस्सी ज्यादा पीएं

आयुवेदिक एसोसिएट प्रो. संजय शुक्ला ने बताया कि दवाओं का सेवन करने वाले लोगों को लू से बचाव के लिए घर में मठा, दही, सलाद के साथ ही हरी सब्जियों का इस्तेमाल ज्यादा करना चाहिए। इसके साथ ही अगर धूम में दौड़-भाग से जुड़ा काम है, तो ऐसे लोगों को घर से निकते समय नीबू पानी- लस्सी का सेवन करना चाहिए। सत्तू का शरबत भी नियमित सेवन कर सकते हैं। धूप से अगर ठंडे कमरे में प्रवेश करने वाले हैं, तो ऐसी स्थिति में थोड़ी देर के लिए बाहर रुकें, ऐसा करके खुद को लू से बचा सकते है। बुजुर्ग व बच्चे भोजन में दलिया व खिचड़ी का उपयोग ज्यादा करें। इससे उनकी पाचन क्रिया में किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा। धूप में सिर व कान ढकने के बाद निकलें।

लगातार दौड़ने व एक्सरसाइज से...

आयुर्वेद चिकित्सक डा. रुपेन्द्र चंद्राकर बुजुर्गों व युवाओं को सलाह देते हैं कि अगर मार्निंग वॉक के लिए निकलते हैं, तो कोशिश करें कि सुबह सात बजे तक घर लौट आएं। क्योंकि इसके बाद धूप तेज हो जाती है। घर से घूमने के लिए निकलते समय पानी जरूर रखें। लगातार चलने की बजाय कुछ स्थानों पर ठहरने की आदत डालें। लगातार एक्सरसाइज और दौड़ लगाने की बजाय गर्मी को देखते हुए परहेज करें। इन हथकंड़ों का उपयोग करते हुए खुद को लू की चपेट में आने से बचा सकते हैं। तबियत खराब होने पर चिकित्सक की सलाह लें। साथ ही पीड़ित को नमक व नीबू का शरबत पिलाएं। घर में हरी सब्जियों का उपयोग करें व तेल व मसाले का उपयोग कम करें, तो बेहतर होगा।

कृषि विवि के छात्रों ने बनाई सौर ऊर्जा से चलने वाली साइकिल, दो घंटे की चार्जिंग में चलेगी 30 किमी

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय एमटेक के विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा से चलने वाली साइकिल की नई तकनीक इजाद की है। इस साइकिल की सहायता से किसान घर से खेत तक पहुंचने के अलावा खेतों की सिंचाई भी आसानी से कर सकते हैं। साइकिल में पीछे कैरियर की जगह सोलर पैनल लगाया गया है, जिसे विद्युत मोटर वाले सेंट्रीफ्यूगल मोटर से कनेक्ट किया गया है। इससे थकने की स्थिति में मोटर की सहायता से बिना पैडल मारे ही साइकिल चलेगी। इसके अलावा नदी, नाले या फिर पानी टंकी से सबमर्सिबल पंप लगाकर इसी मोटर की सहायता से पानी खींचकर खेतों की सिंचाई भी आसानी से की जा सकेगी।

35 हजार रुपए की आई लागत

एमटेक के विद्यार्थियों का अनोखा नवचार, नई तकनीक से सबमर्सिबल पंप लगाकर बनाई साइकिल

इस साइकिल में सोलर पैनल को साइकिल की पंखों के रूप में लगाया गया है, जो कि आवश्यकता पड़ने पर आसानी से सिकोड़ी व फैलाई जा सकती है। साइकिल में 36 वोल्ट की बैटरी लगी है। बैटरी को बिजली से दो घंटे में चार्जिंग कर सकते हैं। सोलर पैनल से तीन घंटे में चार्जिंग होता है। साइकिल को प्रति 30 किमी घंटे से चला सकते हैं। इसके अलावा मोबाइल चार्जिंग भी कर सकते हैं। जबकि सिंचाई फुल चार्जिंग में लगभग दो घंटे तक चलाया जा सकता है। यानी आधा हार्स कम मोटर को घुमाया जा सकता है। अभी इसे तैयार करने में लगभग 35 हजार रुपये की लागत आई है।

सौर ऊर्जा से चार्जिंग भी

साइकिल के पैडल घुमाने पर सबमर्सिबल पंप शुरू हो जाएगा और टंकी या फिर नाले से पानी खींचकर आसानी से खेती की सिंचाई भी की जा सकेगी। इतना ही नहीं, इसी सोलर पैनल व मोटर से घर में उपयोग के लिए एलइडी बल्ब भी जलाया जा सकता है। यह विशेष रूप से पठारी स्थलों व अधिक सौर ऊर्जा वाले स्थानों के लिए सबसे कारगर है। क्योंकि कई जगहों पर अभी बिजली नहीं पहुंच पाई है। बिना बिजली, बिना डीजल के जल पंपिंग करने के साथ यातायात का एक वैकल्पिक साधन भी है। सौर साइकिल के संचालन के लिए बिजली के अलावा सौर ऊर्जा से भी चार्जिंग की जा सकती है।

समाज को मजबूत बनाने है तो कभी ना भूलें अपनी मातृभाषा

रायपुर। छग पंजाबी ब्राह्मण समाज की वार्षिक आमसभा व प्रतिभावान बच्चों, सीनियरों का सम्मान समारोह आर्य समाज भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएसपी पूर्व प्रबंध निदेशक पंकज गौतम थे। कार्यक्रम में गौतम ने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा को कभी नहीं भूलना चाहिए। समाज के ऐसे कार्यक्रम करने से समाज में भाईचारा बढ़ता है। समाज को मजबूत करने में सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि पिछले बार जब मैं समाज के कार्यक्रम में उपस्थित हुआ था। उसकी अपेक्षा समाज में अधिक मजबूती दिखाई दे रही है। आने वाले समय में यह समाज एक अलग ही पहचान बनाएगी। ऐस कार्यक्रम करने से बड़ों का आर्शीवाद मिलता है। तो वही बच्चों के सम्मान से बच्चों को प्रोत्साहन मिलता है। समाज के अध्यक्ष विनोद शारदा गुप्ता ने कहा कि समाज में बाकी बचे लोगों को जोडऩे का काम किया जा रहा है। जिसके सुखद परिणाम भी आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के स्वयं के भवन को लेकर प्रक्रिया जारी है। शीघ्र ही इसकी सार्थकता भी सामने आएगी। कार्यक्रम में महासचिव राकेश शर्मा ने समाज का प्रतिवेदन करते हुए कहा कि समाज में अनेक सामाजिक व अन्य गतिविधियों में बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया है। उन्होंने समाज के सभी सदस्यों से समाज में जोडऩे का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालनकुलदीप कौर शर्मा और आभार प्रदर्शन यतीन पुरंग ने किया।

महादेवघाट से अम्लेश्वर तक सड़क पर डालेंगे टैंकर से पानी

घोड़े-ऊंट व बग्घी से सजेगी शोभायात्रा, आकर्षण का केंद्र होगी शिव परिवार की दो झांकियां, डीजे की धुन पर झूमेंगे भक्त

कार्नर न्यूज

> महादेवघाट स्थित हाटकेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना व शंखनाद से श्री शिव महापुराण कथास्थल अम्लेश्वर तक भव्य शोभायात्रा की तैयारी है। इसमें शिव परिवार की दो आकर्षक झांकियां आकर्षण का केंद्र होंगी। साथ ही घोड़े, ऊंट और बग्घी भी शोभायात्रा में शामिल होंगे।

रायपुर। डीजे व धुमाल के साथ भक्ति गीतों पर थिरकते हुए भक्तों की टोली मुख्य मार्ग से होते हुए कथास्थल तक पहुंचेगी। इसमें शामिल होने वाले भक्तों को पैदल चलने में किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए, इसे देखते हुए आयोजक शिव-शक्ति सेवा समिति सड़क पर टैंकर से पानी डलवाने की तैयारी में है। यह व्यवस्था तपती दोपहरी के बाद शाम को निकलने वाली शोभायात्रा के दौरान लोगों को सुकून देने के उद्देश्य से की जाएगी। मुख्य आयोजक पवन खंडेलवाल ने आगे बताया कि कथा के दौरान भी श्रोताओं को भजन प्रस्तुति के दौरान झांकी की झलक देखने को मिलेगी।

भजन संगीत भी होगा उम्दा

देश-दुनिया में शिवमहापुराण के प्रख्यात कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा के साथ भजन-संगीत से जुड़े लोगों की टीम होही है। इनके लिए सारी व्यवस्था की गई है। भजन को रोचक अंदाज में पेश करने के लिए आकर्षक झांकी का उपयोग कथा के दौरान लोगों के बीच देखने को मिलेगा। भजन व संगीत पक्ष से जुड़े लोगों को रहने-खाने व आने-जाने की सारी जिम्मेदारी लोगों को दी गई है। इसके साथ ही कथा स्थल के पास तैयारी के लिए अलग से व्यवस्था रहेगी, ताकि किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए।

महिला-पुरुष बाउंसर भी होंगे

आयोजकों ने बताया कि 27 से 2 जून तक होने वाली कथा में दूर-दराज से आने वाले लोगों की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य बिगड़ने पर त्वरित जांच की सुविधा भी मिलेगी। 4 लाख से ज्यादा लोगों की बैठक व्यवस्था के लिहाज से हर डोम में कार्यकर्ता के अलावा पुलिस के अधिकारी कमान संभालेंगे। इसके अलावा 2 सौ से ज्यादा महिला व पुरुष बाउंसर भी तैनात रहेंगे। दमकल की गाड़ी व ठंडा पेयजल का भी इंतजाम किया जाएगा। आस-पास में महिलाओं व पुरुषों के लिए टॉयलेट भी लगाए गए हैं।

उत्सव का रूप देगी भव्यता

शिवकथा को उत्सव का रूप देने के लिए भव्यता के साथ ही व्यवस्था बनाने के लिए जिम्मेदारी तय की गई है। कथा से पहले निकलने वाली शोभायात्रा के दौरान व्यवस्था बनाने में समिति और बजरंग दल के कार्यकर्ता अगवाई करेंगे। इस दौरान महादेव घाट पुल पर यातायात बहाली के लिए पुलिस प्रशासन ने भी तैयारी की है। इनके अलावा महिला व पुरुष बाउंसर भी आयोजन के दौरान सुरक्षा की कमान संभालेंगे। दो ट्रेलर पर साउंड सिस्टम के साथ ही रोशनी के लिए रोड लाइट भी लगाई जाएगी।

हेल्थ

रोजाना चिया सीड्स खाना सेहत के लिए होता है फायदेमंद

चिया शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं। खासकर गर्मियों के मौसम में इन्हें रोजाना खाने की सलाह दी जाती है। आप इसे कई तरह से रूटीन में शामिल कर सकते हैं। इन बीजों को लेकर लोगों के मन में कुछ सवाल रहते हैं। ऐसे में यहां इन सवालों के जवाब जानिए। काले और सफेद चिया सीड्स सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं। छोटे-छोटे इन बीजों में खूब पोषक तत्व होते हैं। काफी लोग इसे पानी या दूध में डालकर खाते हैं। चिया सीड्स में फाइबर, प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, एंटीऑक्सीडेंट के अलावा, कॉपर, आयरन, मैग्नीशियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस आदि की प्रचुर मात्रा पाई जाती है। वजन कम करने के लिए भी लोग इसे खाते हैं। लेकिन क्या रोजाना इन्हें खाना सही है? और क्या ये रात में खाए जा सकते हैं? इस आर्टिकल में जानिए इन सभी सवालों के जवाब।

चिया सीड्स ज्यादा पौष्टिक होते हैं, इसे खाने से सेहत को कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। हालांकि, बहुत ज्यादा खाने से साइड इफेक्ट हो सकता है। ऐसे में रोजाना सिर्फ 28 ग्राम बीज बहुत है। खासकर अगर आप इन बीजों को खाने की शुरुआत कर रहे हैं तो बाद में धीरे-धीरे इसके सेवन को बढ़ाया जा सकता है।

चिया सीड्स को पानी या अपनी पसंद के दूध में भिगोने में केवल 20 मिनट लगते हैं। भिगोने के बाद, बीज जैली जैसी फॉर्म में आ जाते हैं। फिर इसे आप अपनी पसंद की ड्रिंक या फिर पानी में मिलाकर पी सकते हैं।

खीरा कड़वा है या मीठा, पहचानने का यह है तरीका

गर्मियों के मौसम में खीरा सेहत को कई फायदे देता है। हाई वॉटर कंटेंट होने के चलते खीरा लू से बचाता है, शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता, शरीर को हाइड्रेशन और कूलिंग इफेक्ट्स भी देता है। खीरा खाने पर शरीर को कई फायदेमंद एंटी-ऑक्सीडेंट्स, विटामिन के, विटामिन सी, पौटेशियम, मैग्नीशियम और मैंग्नीज भी मिलता है। खीरा खाने पर पाचन को दुरुस्त रहने में भी मदद मिलती है और मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है सो अलग। लेकिन, खीरा खाते हुए अगर कड़वा निकल जाए तो सारा मजा किरकिरा हो जाता है। आमतौर पर लोग खीरे को सिरे से काटकर घिसते हैं, जिससे कड़वाहट कुछ हद तक निकल जाती है, लेकिन खीरा जरूरत से ज्यादा कड़वा हो तो यह तरकीब भी काम नहीं आती। ऐसे में यहां जानिए किस तरह खीरा खरीदते हुए कड़वे या मीठे खीरे की पहचान की जाती है।

कड़वा खीरा पहचानने का अगला तरीका है इसके आकार को देखना। बहुत ज्यादा बड़े या बहुत ज्यादा छोटे खीरे को खरीदने से परहेज करें। इस तरह का खीरा कड़वा हो सकता है। ऐसा खीरा चुनें जिसका आकार मध्यम हो। जब आप खीरा खरीद रहे हैं तो उसे हल्का दबाकर देखें। अगर खीरा मुलायम होगा तो संभावना है कि वह अंदर से गला हुआ और ज्यादा पका हुआ है। ताजा खीरा कड़ा होता है। इसीलिए ताजा खीरा देखकर ही खरीदें। वहीं, इस बात का खास ख्याल रखें कि आप पीले रंग का खीरा ना लें। पीले रंग का दिखने वाला खीरा, कटा हुआ या मुड़ा-तुड़ा दिखने वाला खीरा बासी हो सकता है। सफेद धारियों वाले खीरे लेने से भी परहेज करें, क्योंकि इस तरह के खीरे कड़वे होते हैं। खीरा खरीदते समय उसके छिलके को देखने भर से ही पता चल सकता है कि खीरा कड़वा है या मीठा। असल में देसी खीरे ज्यादातर मीठे ही होते हैं। तो खीरा कड़वा नहीं है यह जानने के लिए देखें कि खीरा देसी है या नहीं। अगर खीरे के छिलके का रंग ज्यादा हरा है और बीच से पीला हो, साथ ही खीरे का छिलका दानेदार है तो यह खीरा देसी है। इस खीरे का स्वाद कड़वा नहीं होगा।

लंबे समय तक कंप्यूटर के आगे एक जैसे पॉश्चर में बैठे रहने से जॉइंट्स जाम होने का खतरा

कंधों का मामूली दर्द हो सकता है फ्रोजन शोल्डर का इशारा

लंबे समय तक कंप्यूटर के आगे एक जैसे पॉश्चर में बैठे रहने या फिर वर्कआउट की कमी की वजह से व्यक्ति के जॉइंट्स जाम होने लगते हैं। जिसकी वजह से व्यक्ति को फ्रोजन शोल्डर की समस्या हो सकती है। मेडिकल भाषा में इस समस्या के दौरान होने वाले दर्द को एडहेसिव कैप्सूलाइटिस कहा जाता है। यह दर्द धीरे-धीरे और अचानक शुरू होता है, जो बाद में पूरे कंधे को जाम कर देता है। शोल्डर की समस्या ज्यादातर 40 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों, खासतौर पर महिलाओं में काफी आम होती है। फ्रोजन शोल्डर की समस्या होने पर कंधे की हड्डी को हिलाने में दिक्कत महसूस होती है।

फ्रोजन शोल्डर की तीन स्टेज

फ्रीज पीरियड- इस स्टेज पर कंधा फ्रीज या जाम होने लगता है। कंधे को घुमाना या मूव करना मुश्किल हो जाता है। जिसकी वजह से कंधे में तेज दर्द होने लगता है, जो अकसर रात में बढ़ जाता है।

फ्रोजन पीरियड- इस स्टेज पर कंधे की स्टिफनेस बढ़ जाती है। जिससे कंधे में दर्द बढऩे से उसकी गतिविधि कम हो जाती हैं। हालांकि यह दर्द असहनीय नहीं होता।

सुधार- इस स्टेज पर महसूस होता है कि दर्द में सुधार आ रहा है। मूवमेंट भी थोडा सुधर जाता है, लेकिन कभी-कभी तेज दर्द हो सकता है।

फ्रोजन शोल्डर होने पर फॉलो करें ये टिप्स

मालिश

फ्रोजन शोल्डर होने पर कंधों की मसाज अवश्य करें। मसाज करने से प्रभावित स्थान का ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा और दर्द से राहत मिलेगी। मालिश करने के लिए हल्का गुनगुना सरसों का तेल इस्तेमाल कर सकते हैं।

कंधे के बल सोएं

फ्रोजन शोल्डर होने पर राहत पाने के लिए कंधे के बल सोएं और प्रभावित कंधे की बगल के नीचे एक तकिया रखें। ऐसा करने से दर्द में आराम मिलेगा।

एक्सपर्ट जांच

कई बार फ्रोजन शोल्डर और अन्य दर्द के लक्षण समान लगने लगते हैं। ऐसे में समस्या से निजात पाने के लिए समय पर एक्सपर्ट से जांच करवाना आवश्यक है। ताकि समस्या के सही कारण का पता चल सके।

वर्कआउट

फ्रोजन शोल्डर की समस्या से राहत पाने के लिए रूटिन में वर्कआउट शामिल करना बेहद जरूरी है। वर्कआउट में स्ट्रेचिंग, व्यायाम शामिल करने से कंधे की गतिशीलता को बढ़ाने में मदद मिलेगी। जिससे दर्द में बी आराम मिलेगा।

बॉडी को एसी वाली ठंडक देंगी ये चीजें, हीट स्ट्रोक-डिहाइड्रेशन से होगा बचाव

गर्मी का मौसम आते ही कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी साथ लाता है। गर्मी में पसीना ज्यादा आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिसे डिहाइड्रेशन कहते हैं। इससे सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, और पेशाब कम जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। हीट स्ट्रोक गर्मी से होने वाली सबसे गंभीर बीमारी है। यह तब होता है जब शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो जाता है। गर्मी में थकान एक आम समस्या है। यह तब होता है जब शरीर ठंडा करने के लिए ज्यादा मेहनत करता है। गर्मी से थकान के लक्षणों में कमजोरी, चक्कर आना और सिरदर्द शामिल हैं। गर्मी में त्वचा संबंधी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं और दिल की बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

शरीर को ठंडा रखने के लिए क्या करें?

तरबूज: गर्मियों में तरबूज आपको ताजगी और ताजगी का अनुभव कराता है। यह विटामिन सी, पोटैशियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो आपको गर्मियों में हाइड्रेटेड और संतुलित रखने में मदद करते हैं।

नारियल पानी: गर्मियों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, क्योंकि यह आपको ताजगी और ताजगी प्रदान करता है और शरीर को हाइड्रेटेड रखता है। यह विटामिन, मिनरल्स और विशेष तत्वों का भंडार होता है जो शरीर के लिए आवश्यक होते हैं।

खीरा: गर्मियों में खीरा खाना भी बहुत फायदेमंद होता है। यह शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है और त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखता है।

फल: गर्मियों में फल जैसे आम, संतरा, मौसमी, अनार आदि का सेवन करना बहुत महत्वपूर्ण है। ये फल आपको विटामिन सी, ए, और कैरोटीन जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर करते हैं, जो आपको गर्मियों में स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

ठंडा पानी: गर्मियों में हमें अपने शरीर को प्रतिदिन कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए। ठंडा पानी आपको ठंडा रखता है और शरीर को हाइड्रेटेड बनाए रखने में मदद करता है।

छाछ: छाछ या बटरमिल्क गर्मियों में आपको स्वस्थ और हाइड्रेटेड रखने में मदद कर सकती है। यह प्रोबायोटिक्स का अच्छा स्रोत होती है जो पाचन को बेहतर बनाए रखता है और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

जून में शुक्र और शनि समेत कई ग्रहों की बदलेगी चाल

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों, नक्षत्रों और राशियों का विशेष महत्व होता है। इनके परस्पर संबंधों की बीच की गणना करते हुए भविष्यवाणियां की जाती हैं। ग्रह एक निश्चित अंतराल पर अपनी राशि बदलते हैं जिससे कई तरह के शुभ और अशुभ योगों का निर्माण होता है। ग्रह एक से दूसरी राशि में भ्रमण करते हैं, ऐसे में जून का महीना ग्रहों के गोचर के लिहाज से काफी अहम रहने वाला है। जून माह में प्रमुख ग्रहों का राशि परिवर्तन होने वाला है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र की गणना के मुताबिक सबसे पहले 1 जून को ग्रहों के सेनापति और महान पराक्रमी ग्रह मंगल मेष राशि में गोचर करेंगे। इसके बाद 12 जून को सुख और वैभव प्रदान करने वाले ग्रह शुक्र अपनी स्वयं की राशि वृषभ की यात्रा को विराम देते हुए मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। 12 जून के बाद वाणी, बुद्धि और व्यापार के कारक ग्रह बुध 14 जून को मिथुन राशि में गोचर करेंगे, फिर इसी माह की 29 तारीख को मिथुन से कर्क राशि में चले जाएंगे।

इन राशि वालों की पटलेगी किस्मत

मेष: जून माह में सबसे ज्यादा लाभ मेष राशि के जातकों को मिल सकता है। मेष राशि के लोगों के लिए जून का महीना काफी लाभदायक रहने वाला होगा। इस माह आपको कई तरह के शुभ समाचारों की प्राप्ति हो सकती है। आपके अधूरे काम पूरे होंगे और कार्यक्षेत्र में जल्दी ही सफलता मिलेगी।

वृषभ: जून माह में कई प्रमुख ग्रहों के राशि परिवर्तन से वृषभ राशि के जातकों के जीवन में अहम बदलाव देखने को मिल सकते हैं। कोई बड़ा काम इस माह पूरा होगा जिससे आपके की आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगी। इस माह आपका प्रभावशाली लोगों से मेल-मुलाकात संभव है। नौकरीपेशा जातकों के लिए जून का माह और ग्रहों के राशि परिवर्तन से करियर में मजबूती मिलेगी।

सिंह: सिंह राशि के जातकों के लिए जून का महीना काफी शुभ और लाभदायक रहने वाला होगा। इस माह आपको कई तरह के सुनहरे और अच्छे मौके मिल सकते हैं। धन लाभ के मौके आएंगे जिसे आपको खोना नहीं है। इस माह आपकी सुख-सुविधा में वृद्धि देखने को मिलेगी। पूरे माह भौतिक सुख सुविधाओं का आनंद उठाएंगे।

हथेली पर क्रॉस का निशान देता है ये संकेत जानें क्या कहता है हस्तरेखा विज्ञान

हस्तरेखा विज्ञान हथेली के अध्ययन के माध्यम से भाग्य बताने की एक कला है। हस्तरेखा पढ़ने की इस विधि को काइरोमेंसी, काइरोलॉजी या कीरोलॉजी के रूप में भी जाना जाता है। हस्तरेखा शास्त्र में हाथ की रेखाओं के महत्व का वर्ण मिलता है। हथेली पर मौजूद रेखाएं व्यक्ति के स्वभाव के साथ उसका भाग्य भी दर्शाती हैं। हथेली पर कई उभरे हुए स्थान होते हैं जिसे पर्वतों की संज्ञा दी गई है। इन्हीं में से एक शनि पर्वत के आसपास मौजूद रेखाएं मनुष्य के व्यक्तित्व से जुड़े कई राज खोलती हैं।

ऐसे निशान देते हैं शुभ संकेत

- यदि शनि पर्वत पर चौकोर आकृति हो तो ये शुभता का संकेत देती है। ऐसे लोगों को जीवन में कम कष्ट भोगने पड़ते हैं।
- शनि पर्वत पर खड़ी रेखा भाग्यशाली होने का प्रतीक होती है और ऐसे लोगों को जीवन में सफलता प्राप्त होती है।
- अगर शनि पर्वत पर दो खड़ी रेखा मौजूद हैं तो ये दर्शाता है कि व्यक्ति जीवन में बड़े मुकाम हासिल करेगा।
- यदि शनि पर्वत पर सीढ़ीनुमा संरचना है तो यह अमीर होने का संकेत है।

क्रॉस का निशान देता है ये संकेत

- हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार यदि शनि पर्वत पर क्रॉस का निशान है तो ये अशुभ माना जाता है।
- क्रॉस का निशान इस बात का संकेत देता है कि व्यक्ति किसी दुर्घटना का शिकार हो सकता है या असमय मौत हो सकती है।
- यदि क्रॉस का चिह्न मध्य भाग में हो तो ऐसा व्यक्ति चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव का होता है। साथ ही वह जिंदगी भर संघर्ष करता रहता है और सफलता हाथ नहीं

कार्नर न्यूज

पपीता में भरपूर मात्रा में होते हैं पोषक तत्व, खाने से शरीर को पहुंचाता है फायदा

पपीता खाना सेहत के लिए फायदेमंद तो होता ही है लेकिन कुछ लोगों के लिए यह नुकसानदायक भी है। पपीता में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं जिसे खाने से शरीर को काफी ज्यादा फायदा पहुंचता है। यह पाचन से लेकर स्किन तक की जुड़ी समस्याओं को ठीक करने में मदद करता है। खासकर गर्मियों में खूब पपीता खाना चाहिए इससे पेट भी ठंडा रहता है। पपीता एक ऐसा फल होता है जो कई सारी खतरनाक बीमारियों से जान बचाती है। जैसे- हार्ट डिजीज, हाइपरटेंशन, डायबिटीज, कैंसर। कई लोग रोजाना खाली पेट पपीता खाते हैं। पपीता में डाइटरी फाइबर, मिनरल, विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। पपीते के मीठे स्वाद के कारण लोग खूब खाना पसंद करते हैं सिर्फ पका हुआ ही नहीं लोग पपीता को कच्चा भी खाना खूब पसंद करते हैं। कई लोग कच्चे पपीते को सब्जी के रूप में खाते हैं जो कि काफी ज्यादा स्वादिष्ट होते हैं। इतने फायदे के बावजूद कई लोग के लिए यह काफी ज्यादा नुकसानदायक है।

इन लोगों को भूल से भी नहीं खाना चाहिए पपीता, वरना बिगड़ सकती है तबीयत

प्रेग्नेंट महिला को नहीं खाना चाहिए पपीता

प्रेग्नेंट महिला को पपीता बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए क्योंकि इसे खाने से यूटरस में कॉन्ट्रैक्शन होने लगता है। इसमें पैपीन और लेटेक्स होता है। जिसके कारण समय से पहले बच्चे का जन्म हो सकता है। इसके कारण गर्भपात भी हो सकता है। प्रेग्नेंसी के दौरान कच्चा या पका हुआ पपीता बिल्कुल न खाएं।

इन लोगों को नहीं खाना चाहिए पपीता

किडनी स्टोन: पपीता में भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है इसलिए जिन लोगों को किडनी में स्टोन्स होती है उन्हें भूल से भी पपीता नहीं खाना चाहिए। पपीता खाने से किडनी स्टोन्स का साइज बड़ा हो जाता है। इसके कारण स्थिति बदतर हो सकती है। इसमें विटामिन सी, कैल्शियम ऑक्सालेट के कारण किडनी में स्टोन होने लगता है।

लेटेक्स एलर्जी: कई लोगों पपीता में पाई जाने वाली लेटेक्स से एलर्जी होती है। ऐसे लोगों को पपीता खाने से परहेज करना चाहिए। पपीता खाने से रैशेज, छींक आना, सांस लेने में तकलीफ और शरीर में सूजन की समस्याएं हो सकती है।

फिल्म इवेंट

हालीवुड

सेलेना गोमेज को देख फैंस को आई जस्टिन बीबर की याद

लंदन। फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा में कान फिल्म फेस्टिवल की धूम है। हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक की बड़ी-बड़ी हसीनाएं रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेर रही हैं। अमेरिकन सिंगर और एक्ट्रेस सेलेना की तस्वीरें इंटरनेट पर छाई हुई हैं। उनका लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है। हालांकि, कुछ लोग उनके एक्स बॉयफ्रेंड जस्टिन बीबर का भी जिक्र कर रहे हैं और कह रहे हैं कि सेलेना से पूछो कि हैली बीबर संग पहले बच्चे के वेलकम करने के लिए तैयार जस्टिन को लेकर वो क्या महसूस कर रही हैं! वोग मैगजीन ने बताया कि सेलेना गोमेज और उनके को-स्टार्स को उनकी फिल्म 'एमिलिया पेरेज' के लिए 9 मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला। इसके बाद सेलेना ने रेड कार्पेट पर भी धूम मचाई। मालूम हो कि सेलेना टैलेंट की खान हैं। सिंगर होने के साथ-साथ वो सॉन्ग राइटर, एक्ट्रेस, प्रोड्यूसर और बिजनेसवुमेन भी हैं। जस्टिन और सेलेना की लव स्टोरी से हर कोई वाकिफ है। दोनों का रिश्ता कई बार टूटा और जुड़ा, लेकिन वे फाइनली तब अलग हो गए, जब जस्टिन ने हैली बीबर से शादी कर ली। अब दोनों अपने पहले बच्चे के पैरेंट्स बनने वाले हैं।

टॉलीवुड

100 करोड़ क्लब में पहुंची तमन्ना भाटिया की 'अरनमनई 4'

मुंबई। 'अरनमनई 4' ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। फिल्म हर रोज ना सिर्फ घरेलू बॉक्स पर बल्कि दुनिया भर में दमदार कारोबार कर रही है. फिल्म ने भारत में जहां 50 करोड़ रुपए क्लब में एंट्री ले ली है तो वहीं वर्ल्डवाइड फिल्म का कलेक्शन 100 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस अवनि मीडिया ने सोशल मीडिया पर फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन शेयर किया है। उन्होंने लिखा- 'सिनेमाघरों में जश्न, बॉक्स ऑफिस पर एक फिनोमिना। दुनिया भर में 100 करोड़ की कमाई करने वाली 2024 की पहली तमिल फिल्म और यह सब उस प्यार से है जो आपने हमें दिया है।' तमन्ना भाटिया स्टारर फिल्म 'अरनमनई 4' इसी 10 मई को रिलीज हुई थी। फिल्म ने अपने 19 दिनों के वर्ल्डवाइट कलेक्शन के मामले में कैप्टन मिलर और अयालान जैसी फिल्मों को मात दे दी है। फिल्म अपने धांसू कलेक्शन के साथ साल 2024 में तमिल सिनेमा की सबसे बड़ी हिट बन गई है। 'अरनमनई 4' एक कॉमेडी-हॉरर फिल्म है जिसमें तमन्ना भाटिया लीड रोल में हैं। फिल्म की कहानी की बात करें तो फिल्म में एक भाई अपनी अलग हो चुकी बहन की मौत के पीछे की सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करता है।

भोजपुरी

'रंग दे बसंती' में रॉकेट लॉन्चर से दुश्मनों के छक्के छुड़ा रहे खेसारी लाल

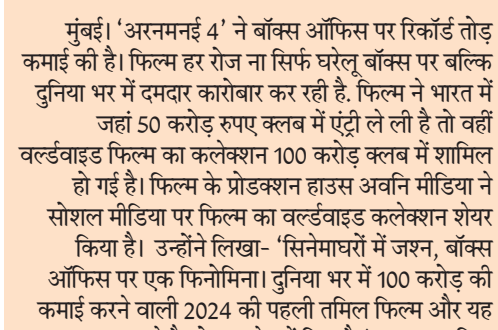

मुंबई। एसआरके म्यूजिक प्रस्तुत निर्माता रौशन सिंह और सुपर स्टार खेसारीलाल यादव की फिल्म 'रंग दे बसंती' 7 जून को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। लेकिन उससे पहले निर्माता रौशन सिंह ने इस फिल्म का एक और लुक आउट कर दिया है। इस में खेसारी लाल यादव रॉकेट लॉन्चर के साथ नज़र आ रहे हैं। फिल्म में उनके कई शेड है, जिसको निर्माता रौशन सिंह धीरे–धीरे रिविल कर रहे हैं। इसी कर्म में फिल्म का यह लुक भी है, जिसने एक बार फिर से दर्शकों का ध्यान अपनी पर खींचा है। आपको बता दें कि इस फिल्म के निर्माता रौशन सिंह, सह निर्माता शर्मिला आर सिंहऔर निर्देशक प्रेमांशु सिंह हैं। फिल्म के लुक को लेकर निर्माता रौशन सिंह ने कहा कि 'यह भोजपुरी की सबसे महंगी फिल्म है और अब रिलीज को महज कुछ दिन बचे हैं। ऐसे में फिल्म का यह लुक दर्शकों को बेहद पसंद आएगा। हम फिल्म को बिग स्केल पर पूरी तैयारी के साथ रिलीज कर रहे हैं। मल्टीप्लेक्स में भी दर्शक इस फिल्म को देख पाएंगे। ऐसी फिल्म आज तक भोजपुरी में कभी नहीं बनी।' उन्होंने कहा कि हमारी फिल्म महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखण्ड, दिल्ली, यूपी , पंजाब, उत्तराखंड, एम पी, छत्तीसगढ़, बंगाल, असम, उड़ीसा, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटका, राजस्थान, जम्मू एंड कश्मीर और नेपाल में प्रमुखता से रिलीज होगी। फिल्म 'रंग दे बसंती' में खेसारीलाल यादव के साथ अभिनेत्री रति पांडेय और डायना खान मुख्य भूमिका में हैं।

पेरिस। कान फिल्म फेस्टिवल 2024 में भारत की तरफ से कई दिग्गज हस्तियों ने रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरा। इन सेलेब्स में अभिनेत्रियों के अलावा फैशन डिजाइनर, इंफ्लूएंसर और उद्योगपति महिलाएं शामिल रहीं। वहीं कमला इंडस्ट्री की मालकिन निदर्शना गोवानी ने भारत की समृद्धता और विरासत का कान फिल्म फेस्टिवल के जरिए पूरी दुनिया को प्रदर्शित किया। उन्होंने खूबसूरत जरी वर्क की साड़ी पहनकर पहुंचीं और भारतीय संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया। निदर्शना ने पीले रंग की ऑर्गेंजा साड़ी पहनी, जिसे 100 से ज्यादा बुनकरों ने बारीक जरदोजी की कढ़ाई से तैयार किया है। साड़ी पर सफेद स्टोन की बारीक कढ़ाई की गई है और वी नेकलाइन वाला ब्लाउज कैरी किया था। उन्होंने घन सिंह के कलेक्शन से 118 साल पुराने मीना जादाऊ जूलरी को पहना था। कृष्णा गुआ नवरत्न हार की खूबसूरती में पोल्का हीरे चार चांद लगा रहे थे। इस नवरत्न हार को बनाने में 200 कारीगर और 1800 घंटे का वक्त लगा है।

गर्मी में दिखना है कूल तो जींस नहीं, कार्गो पैंट्स करें ट्राई

दिखेंगी ट्रेंडी और कैजुअल, धड़ल्ले से बिक रहा बाजारों में

तेज धूप और गर्मी में कैजुअल हमेशा ट्रेंडी रहता है। हालांकि जींस का विकल्प ढूंढना आसान काम नहीं होता। लेकिन कार्गो ट्राउजर एक ऐसा ऑप्शन है जिसे आप बड़ी आसानी से जींस की जगह पहन सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में तो कार्गो पैंट्स काफी स्टाइलिश, कैजुअल और कंफर्टेबल लगते हैं। यही वजह है कि इन दिनों बाजार में कार्गो पैंट्स की बहार है। आप घर बैठे ऑनलाइन शॉपिंग कर हर तरह के प्राइस में ऐसे ट्राउजर खरीद सकती हैं और स्टाइलिश दिख सकती हैं।

गर्मी के लिए बेस्ट हैं ये कार्गो पैंट्स

1. आप इस तरह के स्ट्रेट फिट लो राइज कार्गो पैंट सिंपल टीशर्ट के साथ मैच बना सकती हैं और हील को बीट कर सकती हैं। ये काफी कंफर्टेबल होते हैं और आप इसे स्नीकर के साथ कैरी कर सकती हैं।
2. अगर आप जॉगर्स स्टाइल में कार्गो ढूंढ रही हैं तो आप इस तरह का मिड राइज कार्गो जॉगर्स खरीद सकती हैं। ऐसे जॉगर्स काफी कंफर्टेबल होते हैं और आप इसे कैजुअल ओकेजन पर पहन सकती हैं।
3. इस तरह का कार्गो पैंट्स गर्मियों में हर गर्ल्स के वार्डरोब में जरूर होना चाहिए। ये हर तरह के ओकेजन पर अच्छे दिखते हैं और बड़े कंफर्टेबल भी होते हैं। आप इस तरह का लूज फिट प्योर कॉटन कार्गोज ऑनलाइन भी खरीद सकती हैं।
4. आप इस तरह के कार्गो पैंट्स डेली वियर के लिए भी खरीद सकती हैं। स्ट्रेट फिट हाई राइज डिजाइन का ये कार्गो आपके बॉडी को शेप देने का भी काम करेगा। आप इसे शर्ट या टीशर्ट के साथ कैरी कर सकती हैं।

जाह्नवी कपूर के ये साड़ी-ब्लाउज डिजाइन जरूर देख लें, किसी भी मौके पर पहनकर दिखेंगी हसीन

जाह्नवी कपूर का लेटेस्ट ब्लाउज और साड़ी कलेक्शन काफी अट्रैक्टिव है। क्रिकेट थीम ब्लाउज डिजाइन के साथ ही जाह्नवी कपूर के इन ब्लाउज डिजाइन को भी जरूर देख लें। जाह्नवी कपूर ग्लैमसर कपड़ों में जितनी हॉट लगती हैं। इंडियन वियर में उतनी ही ज्यादा देसी। जाह्नवी कपूर को देखकर लड़कियां स्टाइल टिप्स भी ले सकती हैं। अगर आप सिंपल साड़ी में भी हॉट लुक चाहती हैं तो इन दिनों जाह्नवी कपूर के साड़ी लुक को जरूर ट्राई कर सकती हैं। क्रिकेट की खास डिटेलिंग के साथ तैयार ये साड़ी ब्लाउज की डिजाइन काफी अट्रैक्टिव है।

ओम्बर शेड साड़ी के साथ शिमरी ब्लाउज

ब्लू एंड रेड कलर की ओम्बर शेड साड़ी के साथ जाह्नवी कपूर ने बैक से हाल्टर नेक और फ्रंट से स्वीटहार्ट नेकलाइन वाले शिमरी ब्लाउज को पेयर किया है। इस ब्लाउज डिजाइन को पहनकर ना केवल आप कंफर्टेबल फील करेंगी बल्कि ये गॉर्जियस लुक देने में भी मदद करेगा।

कॉलर वाला ब्लाउज

अगर आप कॉलर वाले ब्लाउज पहनने को लेकर दुविधा में रहती हैं तो जरा जाह्नवी कपूर का ये लुक जरूर देख लें। शिमरी साड़ी और उस पर कॉलर वाला ब्लाउज, जिसकी स्लीवलेस और बैकलेस डिजाइन इसे पूरी तरह से हॉट एंड गॉर्जियस लुक दे रही है। तो अगली बार ब्लाउज की डिजाइन के लिए किसी हटके डिजाइन की खोज में हो तो जाह्नवी कपूर का ये ब्लाउज डिजाइन जरूर ट्राई करें।

चेहरे पर ड्राईनेस दिख रही तो इन नुस्खों को अपनाएं, उम्र से पहले नहीं आएगी झुर्रियां

चेहरे की स्किन काफी कोमल होती है। इसलिए हमेशा इसे ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। खासतौर पर जब आप 30 की उम्र पार करने लगे तो अपनी स्किन को यूथफुल और यंग दिखाने के लिए कुछ घरेलू चीजों को स्किन केयर रूटीन में शामिल कर लें। जिससे ना केवल आपके चेहरे पर उम्र से पहले बुढ़ापा दिखेगा और ना ही आपको महंगे ट्रीटमेंट के लिए ज्यादा पैसे बर्बाद करने पड़ेंगे। तो चलिए जानें वो कौन से स्किन केयर तरीके हैं, जिन्हें घर में जरूर आजमाना चाहिए। खासतौर पर उन लोगों को जिनके चेहरे पर डार्क पैचेज दिख रहे हैं और स्किन ड्राई हो रही है। क्योंकि ड्राई स्किन में तेजी से इलास्टिसिटी खत्म होती है और स्किन ढीली पड़ जाती है। जिसकी वजह से रिंकल्स, फाइन लाइंस दिखना शुरू हो जाती है।

एलोवेरा जेल है स्किन का साथी

अगर आप एलोवेरा जेल से एलर्जिक नही हैं तो इसे अपनी स्किन केयर रूटीन में जरूर शामिल करें। ये ना केवस स्किन को ठंडक देता है, बल्कि स्किन पर होने वाले किसी भी केमिकल के बुरे इफेक्ट को भी कम करने की कोशिश करता है। स्किन हाइड्रेशन की बात हो या फिर स्किन को फ्रेशनेस देने की एलोवेरा जेल का नाम सबसे ऊपर रहता है। इसलिए रोजाना चेहरे पर सीधे एलोवेरा जेल लगाएं और करीब दस से पंद्रह मिनट बाद फेस वॉश कर लें। ये स्किन को हाइड्रेट करता है।

नेचुरल सनस्क्रीन लगाएं

सनस्क्रीन को लगाना बेहद जरूरी है। लेकिन आप चाहें तो घर में ही केमिकल फ्री सनस्क्रीन बना सकती है। नारियल का तेल, शिया बटर और जिंक ऑक्साइड को मिलाकर रख लें। इस मिक्सचर को लगाएं। ये स्किन को धूप से प्रोटेक्ट करने में मदद करेगा।

बालों पर ही नहीं, होंठों पर भी कमाल करता है कैस्टर ऑयल

पिंक लिप्स के लिए फॉलो करें ये टिप्स

बालों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आपने कई बार महिलाओं को कैस्टर ऑयल का इस्तेमाल करते हुए देखा होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं औषधीय गुणों से भरपूर अरंडी का तेल, सिर्फ बालों की खूबसूरती ही नहीं, बल्कि त्वचा और होंठों की खूबसूरती को भी निखारने का काम करता है। अरंडी के तेल में ओमेगा-6 और 9 जैसे हेल्दी फैट्स के साथ विटामिन ई की भी अच्छी मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, कैस्टर ऑयल में एंटी-इन्फ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण भी मौजूद होते हैं। जो इम्यूनिटी बूस्ट करके एलर्जी, कील-मुंहासे और दाग-धब्बे दूर करने के साथ होंठों को भी कोमल और गुलाबी बनाते हैं। अगर आप भी खूबसूरत गुलाबी होंठों का सपना देखते हैं तो अपनाएं कैस्टर ऑयल का ये नुस्खा।

होंठों पर इस तरह लगाएं कैस्टर ऑयल

होंठों को स्वस्थ और गुलाबी बनाए रखने के लिए अरंडी के तेल की 1-2 बूंद लेकर सीधा होंठों पर लगाते हुए कुछ देर मसाज करें। ये उपाय नियमित तौर पर घर से बाहर निकलने और रात में सोने से पहले करें। आप चाहे तो अरंडी के तेल का लिप बाम घर पर भी बना सकते हैं। इसके लिए एक पैन में एक छोटा टुकड़ा शिया बटर डालकर पिघला लें। उसमें बाद गैस बंद करके उसमें 1-1 चम्मच अरंडी का तेल, कोई एक अन्य तेल और शहद मिला लें। आपका अरंडी के तेल का लिप बाम बनकर तैयार है।

होंठों पर अरंडी का तेल लगाने के फायदे

- होंठों का पिगमेंटेशन दूर होता है।
- होंठों की ड्राईनेस दूर होती है।
- होंठों पर अरंडी का तेल लगाने से धीरे-धीरे होठों की रंगत नेचुरली गुलाबी होने लगती है।

कार्नर न्यूज

लंबे नाखून रखने का सपना नहीं हो पा रहा पूरा...

नेल्स को टूटने से बचाएंगे ये ब्यूटी टिप्स

खूबसूरती सिर्फ चेहरे की ही नहीं होती है, हाथ-पैरों की सुदंरता भी व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारने का काम करती है। शादी या पार्टी में जाने से पहले लंबे नाखूनों पर लगी ड्रेस की मैचिंग वाली नेल पॉलिश किसी का भी ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर सकती है। लेकिन, वहीं कटे-फटे और बदरंग नाखून ना सिर्फ दिखने में खराब लगते हैं बल्कि कई बार दर्द का भी कारण बनने लगते हैं। हालांकि, कई बार महिलाओं की यह शिकायत रहती है कि बहुत ध्यान देने के बावजूद भी उनके नाखून बढ़ते नहीं हैं, बीच में से टूटने लगते हैं। अगर आपकी भी ऐसी ही कोई शिकायत है तो ये शानदार टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं।

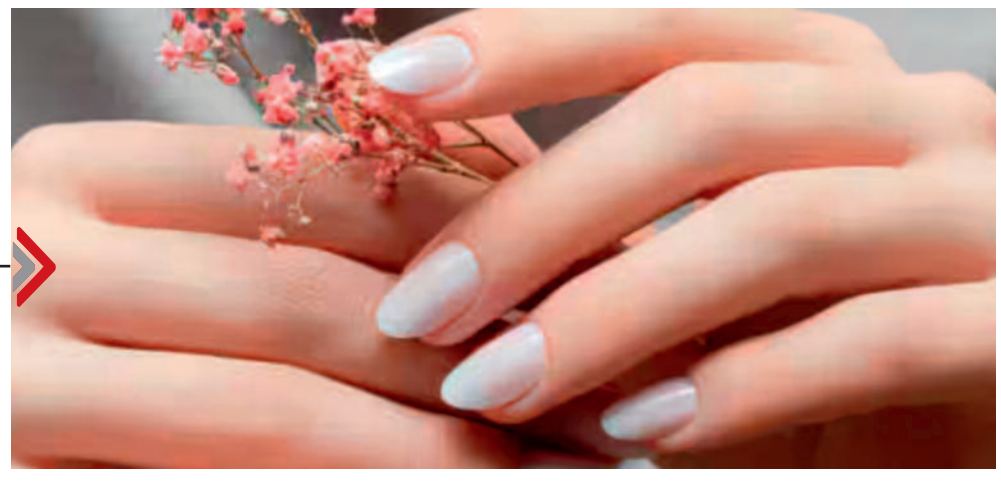

पोषक तत्वों का रखें ध्यान

शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों की कमी होने पर भी नाखून कमजोर होकर टूटने लगते हैं। नेल्स की ग्रोथ में कैल्शियम, विटामिन सी और आयरन का अहम रोल रहता है। इन पोषक तत्वों की कमी पूरी करने के लिए डाइट में दूध, अंडे, हरी सब्जियां और खट्टे फलों को शामिल करें।

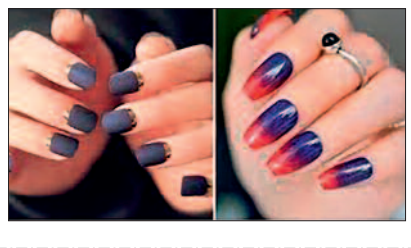

नाखूनों को भी चाहिए पोषण

नाखूनों को पोषण देने के लिए हमेशा किसी अच्छी क्रीम या इसेंशियल ऑयल से उनकी मालिश करें।

आर्टिफिशियल नेल न करें यूज

टूटे या आढ़े-तिरछे नाखूनों को छिपाने के लिए लोग आर्टिफिशियल नेल्स का यूज करते हैं। ऐसा ना करें, ऐसा करने से नाखून और ज्यादा कमजोर बनते हैं। इन चीजों में केमिकल का यूज होता है, जो नाखूनों की सेहत को कमजोर बना सकती है।

क्यूटिकल्स से बचें

नाखूनों के पास की स्किन बार-बार डैमेज होने पर भी नेल्स कमजोर होकर टूटने लगते हैं। इतना ही नहीं क्यूटिकल्स डैमेज होने पर नाखूनों के आसपास दर्द भी होने लगता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए नाखूनों पर नारियल तेल लगाएं।